मार्गशीर्ष शुक्ल - 2 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 128 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 03-12-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

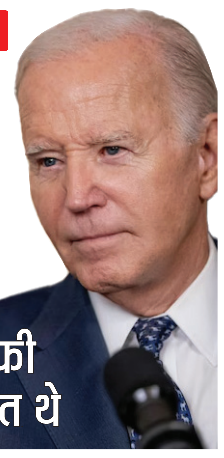

5 'असंतुष्ट आत्माओं का सागर' है राजनीति : नितिन गडकरी

6 जलवायु परिवर्तन से जूझती महिलाएं

7 बाइडन ने अपने बेटे हंटर को माफी दी, कहा- आरोप राजनीति से प्रेरित थे

फर्स्ट टेक

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा कल

मुंबई/नई दिल्ली/भाषा। महाराष्ट्र का नया मुख्यमंत्री कौन होगा यह चार दिसंबर को तय हो जाएगा, जब भाजपा विधायक दल अपना नया नेता चुनेगा। यह जानकारी भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने सोमवार को दी। इससे पहले दिन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को महाराष्ट्र विधायक दल की बैठक के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया। भाजपा के एक पदाधिकारी ने बताया कि दो बार मुख्यमंत्री रह चुके देवेंद्र फडणवीस को इस शीर्ष पद के लिए दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। पदाधिकारी ने बताया कि बैठक बुधवार सुबह विधान भवन में होगी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव बीस नवंबर को हुआ था जिसके परिणाम तीन दिन बाद घोषित हुए थे, 'महायुति' गठबंधन ने 288 विधानसभा सीट में से 230 सीट पर जीत दर्ज की थी। भाजपा 132 सीट के साथ आगे रही जबकि शिवसेना को 57 और राकांपा को 41 सीट मिली थीं।

'फेम-2' : तीन इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियों के खिलाफ जांच शुरू

नई दिल्ली/भाषा। जांच एजेंसी गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बनाने की सरकारी योजना के तहत धोखाधड़ी से 297 करोड़ रुपए की सब्सिडी प्राप्त करने के आरोप में हीरो इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, बेनलिंग इंडिया एनर्जी एंड टेक्नोलॉजी और ओकिनावा ऑटोटेक इंटरनेशनल के परिसरों की तलाशी ली है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने सोमवार को बयान में कहा, तलाशी अभियान के दौरान डिजिटल डेटा, किताबें और अन्य सामग्री जैसे साक्ष्य बरामद किए गए हैं। जांच जारी है। ये मामले भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) की इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से अपनाना और विनिर्माण (फेम)-2 योजना के तहत तीनों कंपनियों द्वारा धोखाधड़ी से कुल मिलाकर 297 करोड़ रुपए की सब्सिडी का लाभ उठाने से जुड़ा है।

गिनी में फुटबॉल मैच के दौरान भगदड़ में 56 की मौत

कोनाक्री (गिनी)/एपी। दक्षिणी गिनी के एक फुटबॉल स्टेडियम में प्रशंसकों के बीच झड़प के बाद मची भगदड़ में 56 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। गिनी की सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी। संचार मंत्री फना सौमाह ने राष्ट्रीय टेलीविजन पर दिए गए एक बयान में कहा कि अधिकारी रविवार को हुई भगदड़ की इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के वास्ते जांच कर रहे हैं।

03-12-2024 सूर्यास्त 5:40 बजे | 04-12-2024 सूर्योदय 6:17 बजे

BSE	NSE
80,248.08	24,274.00
(+445.29)	(+142.90)

सोना	चांदी
7,981 रु.	98,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

विचित्र दौर

कौन सहिष्णु आज यहां है,
सारे ही तो उबल रहे।
अवसरवादी नेता अब भी,
पाले अपने बदल रहे।
सब बस अपनी-अपनी कहने,
बल खा-खा कर मचल रहे।
समझदार तो चुप-चुप बैठे,
टुच्चे-मुच्चे उछल रहे।।

देश की आर्थिक सीमाओं के संरक्षक हैं राजस्व सेवा के अधिकारी : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राजस्व सेवा के अधिकारियों को देश की आर्थिक सीमाओं का संरक्षक करार देते हुए कहा कि उन्हें हमेशा ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करना होगा क्योंकि दूसरे देशों के साथ व्यापार को सुगम बनाने के समझौतों में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

श्रीमती मुर्मु ने सोमवार को यहां भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) के प्रशिक्षु अधिकारियों से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। राष्ट्रपति ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) हमारी अर्थव्यवस्था को एक समान कर प्रणाली और साझा प्रशासनिक मूल्यों के माध्यम से जोड़ती है। यह सेवा देश के कर प्रशासन में एकरूपता को बढ़ावा देती है। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी सरकार, व्यापार और विभिन्न राज्यों के कर प्रशासन के बीच बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि विश्व में बदलते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में राष्ट्रीय हित का एजेंडा काफी हद तक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग से तय होता है। राजस्व सेवा के अधिकारी देश की आर्थिक सीमाओं के संरक्षक हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उन्हें हमेशा ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करना होगा। उनकी भूमिका दूसरे देशों के साथ व्यापार सुगम बनाने के समझौतों में भी महत्वपूर्ण होगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) देश को आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे के निर्माण, सामाजिक-आर्थिक योजनाओं के संचालन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने जैसे कार्यों के लिए संसाधनों का उपयोग करने में सक्षम बनाती है। यह कार्य राष्ट्र निर्माण में भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हैं।

उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि प्रशासक के रूप में अपनी भूमिका के निर्वहन के लिए, उन्हें ऐसी प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ विकसित करने की ज़रूरत है जो पारदर्शी हों और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करें।

द साबरमती रिपोर्ट

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों के साथ फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' देखी। प्रधानमंत्री ने संसद के पुस्तकालय भवन स्थित बालयोगी सभागार में विक्रांत मैसी अभिनीत यह फिल्म देखी। दिग्गज अभिनेता जितेंद्र और राशि खन्ना सहित कुछ अन्य कलाकारों ने भी फिल्म देखी और फिर संवाददाताओं को बताया कि मोदी ने उन्हें बताया कि यह प्रधानमंत्री बनने के बाद पहली फिल्म है, जो उन्होंने देखी है। मोदी के साथ केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा प्रमुख जीतन राम मांझी समेत अन्य नेता मौजूद थे। धीरज सरना द्वारा निर्देशित इस फिल्म में 27 फरवरी, 2002 को गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगने की घटना के पीछे की सच्चाई को उजागर करने का दावा किया गया है, जिसमें एक धार्मिक समारोह में भाग लेने के बाद अयोध्या से लौट रहे 59 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।

आईएनएस विक्रांत पूरी तरह संचालन के लिए तैयार : वाइस एडमिरल श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। देश के पहले स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत ने इस साल 'परिचालन' संबंधी अंतिम मंजूरी प्राप्त करने के बाद पूर्ण रूप से संचालन योग्य होने का दर्जा हासिल कर लिया है।

दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एफओसीआईएनसी) वाइस एडमिरल वी. श्रीनिवास ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कोच्चि में नौसेना के पोत आईएनएस शार्दुल पर मीडिया से बात करते हुए श्रीनिवास ने कहा कि आईएनएस विक्रांत ने इस साल अंतिम परिचालन मंजूरी हासिल कर ली। उन्होंने कहा, ''विभिन्न परीक्षणों के पूरा होने और जहाज के बेड़े के एकीकरण के साथ आईएनएस विक्रांत अब पूरी तरह से संचालन योग्य है और पश्चिमी बेड़े के तहत काम कर रहा है।''

श्रीनिवास ने इस बात पर जोर दिया कि देश और नौसेना के लिए गौरव का प्रतीक यह जहाज भारतीय नौसेना के सभी अभियानों और प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में पूरी तरह सक्षम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2022 में कमीशन किया गया आईएनएस विक्रांत अब पश्चिमी नौसेना कमान के अधीन है और यह नौसैनिक जिम्मेदारियों को निभाने में सक्षम है।

पोत विभिन्न विमानों का परिचालन करने के लिए सुसज्जित है, जिसमें मिग-29के लड़ाकू विमान, कामोव-31 हेलीकॉप्टर, एमएच-60आर बहु-उद्देश्यीय हेलीकॉप्टर, स्वदेशी उन्नत एवं हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) और हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) शामिल हैं।

अगले साल भारत आ सकते हैं रूसी राष्ट्रपति पुतिन

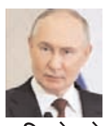

मॉस्को/भाषा। भारत और रूस के नेताओं के बीच पारस्परिक वार्षिक वार्ता के लिए स्थापित ढांचे के तहत रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अगले साल भारत की यात्रा करने की उम्मीद है। क्रेमलिन की ओर से यह जानकारी दी गई। क्रेमलिन के एक सहयोगी यूरी उशाकोव ने हाल ही में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राष्ट्रपति पुतिन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भारत आने का आमंत्रण मिला है। उन्होंने कहा कि पुतिन की यात्रा की तारीखें 2025 की शुरुआत में तय की जाएंगी। राजनयिक ने कहा, ''हमारे नेताओं के बीच साल में एक बार बैठक करने का समझौता है।

वायु प्रदूषण पर उच्चतम न्यायालय सख्त, ढील देने से इनकार

■ आंकड़ों की समीक्षा के बाद ही वह पांच दिसंबर को कोई छूट देने पर विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए लागू प्रतिबंधों में ढील देने से इनकार करते हुए सोमवार को कहा कि संबंधित आंकड़ों की समीक्षा के बाद ही वह पांच दिसंबर को कोई छूट देने पर विचार करेगा।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी की ढील देने की गुहार अस्वीकार करते हुए कहा कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली में लगाए गए ग्रेडेड एक्शन रिस्पांस प्लान (जीआरएपी) स्टेज-4 के तहत तमाम प्रतिबंध फिलहाल लागू रहेंगे।

पीठ ने हालांकि दिल्ली सरकार को सीवेज मरम्मत कार्य करने और केवल उन सड़कों की मरम्मत करने की अनुमति दी, जो खराब स्थिति में हैं।

सुनवाई के दौरान पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल की मांग खारिज करते हुए कहा, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) स्थिर नहीं है। इसमें वृद्धि हुई है। हम आपके सुझावों पर गौर करेंगे, लेकिन आज हम ढील देने की अनुमति नहीं दे सकते।

शीर्ष अदालत ने कहा कि वह वायु गुणवत्ता सूचकांक में गिरावट के रुझानों का विश्लेषण करने के बाद ही सीएक्यूएम द्वारा प्रस्तावित ढील पर गुरुवार को कोई फैसला लेगी।

अर्थव्यवस्था का बुरा हाल, 'न्यू डील' की जरूरत : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर में गिरावट का हवाला देते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि अर्थव्यवस्था का बुरा हाल है और जनता बेहाल है। उन्होंने यह भी कहा कि अब नई सोच तथा कारोबार के लिए 'न्यू डील' की जरूरत है।

वर्ष 1933 से 1938 के बीच आर्थिक महामंदी से उबरने के लिए अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने ''न्यू डील'' नामक कार्य-योजना की घोषणा की थी जिसके अंतर्गत कई सामाजिक उदारवादी नीतियों को अमल में लाया गया।

राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, अर्थव्यवस्था का बुरा हाल, जनता का हाल बेहाल। इस स्थिति में सुधार के लिए बिना समय गंवाए एक नई सोच तथा कारोबारों के लिए नई 'डील' की जरूरत है।

विरोध प्रदर्शन

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर कथित हमलों के खिलाफ सोमवार को प्रदर्शन किया और अत्याचारों को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र से हस्तक्षेप करने की मांग की।

तमिलनाडु में मलबे में दबे मकान से पांच शव बरामद किए गए

तिरुवन्नमलई (तमिल-नाडु)/भाषा। अन्नामलाईयार पहाड़ी पर मलबे से पांच शव बरामद किये गए हैं। सोमवार सुबह से जारी गहन तलाशी के बाद ये पांच शव उस मकान से मिले जो एक दिसंबर को मूसलाधार बारिश के बाद मिट्टी और चट्टानों के नीचे दब गया था। पुलिस ने बताया कि बचावकर्मियों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), पुलिस और अग्निशमन सेवा के कर्मी शामिल थे। पुलिस ने बताया कि बचावकर्मियों ने सोमवार शाम को एक बच्चे का शव बरामद किया और इसके बाद चार अन्य शवों का पता लगाया गया। एक दिसंबर की रात से चक्रवात फेंगल के प्रभाव के कारण पहाड़ी क्षेत्र में भूस्खलन हुआ था। पुलिस ने बताया कि शवों को सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है और मृतकों में एक महिला भी शामिल है। तलहटी में स्थित वीओसी नगर के निवासियों ने अधिकारियों को बताया कि एक दंपति, उनके दो बच्चों के अलावा तीन अन्य बच्चे उस मकान में फंस गए थे जो एक दिसंबर की रात भूस्खलन की चपेट मे आ गया था।□

कार्बन कटौती के लिए टिकाऊ उपभोग के तरीकों को बढ़ावा देने की जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कार्बन उत्सर्जन में कटौती और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए टिकाऊ उपभोग के तरीकों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

गोयल ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई की तरफ से आयोजित भागीदारी शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया के लोगों को ऐसे उत्पादों का उपभोग करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा जो पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ हों। उन्होंने कहा, हमें अपनी मौजूदा जीवनशैली के कारण कचरे और कार्बन उत्सर्जन को लेकर सजग रहने की जरूरत है। यह दुनिया के बेहतर भविष्य का मूल होगा। जब तक हम उपभोग के तौर-तरीकों पर ध्यान नहीं देते हैं, हम स्थिरता और पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान नहीं कर पाएंगे।

गोयल ने कहा कि पर्यावरणीय चुनौतियों का जन्म विनिर्माण के माध्यम से उत्सर्जित कार्बन की वजह से नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, असल में यह हमारे उपभोग के कारण होने वाले कार्बन उत्सर्जन का नतीजा है। दरअसल उपभोग की मांग आने पर ही विनिर्माण होता है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस मांग को बेहतर और अधिक टिकाऊ तरीके से प्रबंधित किया जाना चाहिए।

23वीं पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धासुमन

स्वर्गवास 03.12.2001

स्व. गेरीबाई घेवरचन्दजी भंडारी, सायला निवासी

आपका स्मरण करते हैं, मानो अभी कल की ही बात है,
वो प्यार, वो दुलार, वो आचरण, वो संस्कार।
जो आपने हमें दिए वह आज भी हमारे मानस पटल पर छाए हैं,
आपके आशीर्वाद से ही दिन की शुरुआत होती है और
आपको नमन कर ही सांझ की ज्योत जलती है।
'23वीं पुण्यतिथि' प्रसंग पर करते हैं सादर श्रद्धार्पण

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु ✦ अशोक-मीना, प्रवीण-डिम्पल, रमेश-रेखा, विमल-कविता, आनन्द-कीर्ति
पौत्र-पौत्रवधु ✦ रितेश-निकिता, ऋषभ-स्वीटी, अजितेश-अरुणा, रोहन-शेखा
पौत्र-पौत्रिया ✦ राशि, पलक, वंश, साक्षी, अनन्या, कश्वी
पड़पौत्री ✦ नियती, मोक्षा पड़पौत्र ✦ दिवीत, चहित, आर्य
एवं समस्त भण्डारी परिवार, सायला (बेंगलूर)
पुत्री-दामाद ✦ सुशीला-जुठमलजी सेठ, पुत्री-दामाद ✦ भाग्यश्री-राजेशजी जैन, दोहिता : स्पर्श जैन
पौत्री-दामाद ✦ ईशा-राहुलजी सालेचा, रूचिका-चेतनजी सुराणा
परदोहित्री-दोहित्र ✦ ख्याति, जियाना, दिव्यम दोहिता-वधु ✦ अभिषेक-गुणवंती सेठ,
परदोहिता/परदोहित्री ✦ मलंक, निर्वी सेठ दोहित्री-दामाद ✦ रसना-सिद्धार्थजी छाजेड़,
पडदौहित्री-पडदौहित्रा ✦ प्रिशी, समवित छाजेड़ दोहित्री-दामाद ✦ कृति-अविजी भंडारी

फर्म ■ GAYATRI INDUSTRIES ■ MARUDHAR ENTERPRISES (INDIA), Bangalore

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा महायुति सरकार के शपथग्रहण से एक दिन पहले की जाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा महायुति सरकार के शपथ ग्रहण समारोह से एक दिन पहले बुधवार को की जाएगी। भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पदाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद की जाएगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को महाराष्ट्र विधायक दल की बैठक के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया, जिसमें विधायक अपने नेता का चुनाव करेंगे।

भाजपा पदाधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, रूपाणी और सीतारमण बुधवार को मुंबई में भाजपा के निर्वाचित प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। इस बैठक के बाद, चुने गए उम्मीदवार का नाम दिल्ली में वरिष्ठ नेताओं को भेजा जाएगा। इसके बाद ये पर्यवेक्षक भाजपा के निर्वाचित नेता की घोषणा करेंगे, जो अगला मुख्यमंत्री बनेगा।

भाजपा ने पहले ही घोषणा कर दी है कि नया मुख्यमंत्री पांच दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य नेताओं की मौजूदगी में मुंबई के आजाद मैदान में शपथ लेगा।

हालांकि पार्टी ने कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने रविवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री पद के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम तय हो गया है।

महायुति गठबंधन में भाजपा के दो मुख्य सहयोगी दलों शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, को नई सरकार में उपमुख्यमंत्री पद दिए जाने की संभावना है।

महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वह मुख्यमंत्री को लेकर भाजपा के फैसले का समर्थन करेंगे।

हाल ही में संपन्न राज्य चुनाव में महायुति ने 288 विधानसभा सीट में से 230 सीट पर जीत दर्ज की। भाजपा 132 सीट के साथ आगे रही, जबकि शिवसेना को 57 और राकांपा को 41 सीट मिलीं।

केजरीवाल ने दिल्ली में बढ़ते अपराध को लेकर भाजपा, शाह पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को आरोप लगाया कि दिल्ली में ''जंगल राज'' है और यहां के लोगों ने अपराध में इस तरह की बढ़ोतरी कभी नहीं देखी।

पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने नारायणा में एक परिवार से मुलाकात की, जिसके दो सदस्यों की छह महीने के अंतराल में अपराधियों ने हत्या कर दी। उन्होंने कहा कि हाल में एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई, जबकि उसने स्थानीय अपराधियों से अपनी जान को खतरा होने के डर से पुलिस में शिकायत की थी। केजरीवाल ने संवाददाताओं से कहा कि छह महीने पहले इस युवक के छोटे भाई की हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा, दिल्ली के लोगों ने कभी भी ऐसी अराजकता और जंगल राज का दौर नहीं देखा। कोई भी किसी की भी हत्या कर सकता है। जब यह पता था कि जिन लोगों ने परिवार के एक सदस्य को मारा, वे किसी और को भी मार सकते हैं, तो उन्हें रोकने के लिए कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई?''

केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली के लोगों को सुरक्षा मुहैया कराने की अपील की जो असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय राजधानी में कानून व्यवस्था की स्थिति का मुद्दा उठा रही है तथा भाजपा नीत केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री पर हमला बोल रही है। केजरीवाल ने कहा कि पूरा नारायणा इलाका स्थानीय अपराधियों के एक ऐसे गिरोह के बारे में जानता है जो निवासियों को आतंकित करते हैं लेकिन पुलिस ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया, कल दिल्ली में तीन हत्याएं हुईं। भाजपा और शाह ने शहर को गुंडों और बदमाशों के भरोसे छोड़ दिया है। भाजपा ने केजरीवाल पर पलटवार करते हुए कहा कि वह आप नीत सरकार के भ्रष्टाचार और विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए आपराधिक घटनाओं का हवाला देकर कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठा रहे हैं।

संसद में गतिरोध टूटा, दोनों सदनों में होगी संविधान पर चर्चा

नई दिल्ली/भाषा। सरकार और विपक्षी दलों के बीच बनी सहमति के बाद संसद में संविधान पर चर्चा की तिथियों की घोषणा के साथ ही 25 नवंबर को शीतकालीन सत्र शुरू होने के समय से जारी गतिरोध सोमवार को टूट गया और अब मंगलवार से लोकसभा तथा राज्यसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से चलने की संभावना है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को विभिन्न दलों के सदन के नेताओं के साथ बैठक की जहां गतिरोध खत्म करने में सफलता मिली।

विपक्ष की मांग को स्वीकार करते हुए सरकार ने ऐलान किया कि लोकसभा में 13 और 14 दिसंबर को संविधान पर चर्चा होगी तथा राज्यसभा में यह चर्चा 16 और 17 दिसंबर को होगी। बिरला के साथ सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी दल संसद में गतिरोध दूर करने के लिए सहमत हो गए हैं तथा मंगलवार से दोनों सदनों में सुचारू तरीके से कामकाज होगा। रीजीजू ने संवाददाताओं से कहा कि निचले सदन में 13 और 14 दिसंबर को और उच्च सदन में 16 और 17 दिसंबर को संविधान पर चर्चा होगी। विपक्षी दलों ने संविधान सभा द्वारा संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा की मांग की थी।

सेमेस्टर पद्धति अपनाई जाए : यूजीसी अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष एम. जगदीश कुमार ने सोमवार को कहा कि विद्यार्थियों के बेहतर मूल्यांकन और उनके सीखने की प्रक्रिया में सुधार के लिए देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों को वार्षिक परीक्षा प्रणाली के बजाय सेमेस्टर पद्धति अपनानी चाहिए।

कुमार ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा,''हम चाहते हैं कि उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों का सतत मूल्यांकन किया जाए। अगर आप साल भर में बस एक बार परीक्षा आयोजित करते हैं, तो इससे विद्यार्थियों को उनकी सीखने की प्रक्रिया में सुधार का संदेश नहीं मिल पाता। इसलिए सेमेस्टर प्रणाली को वैश्विक स्तर पर अपनाया गया है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए देश के उन सभी विश्वविद्यालयों को सेमेस्टर पद्धति अपनानी चाहिए जहां अब भी केवल वार्षिक परीक्षा प्रणाली के आधार पर छात्र-छात्राओं का मूल्यांकन किया जा रहा है। कुमार ने कहा कि सेमेस्टर के बीच में परीक्षा, अलग-अलग अभ्यासों, परिचर्चाओं में भागीदारी और गृह कार्य के आधार पर भी विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। यूजीसी अध्यक्ष ने ''एक राष्ट्र, एक सदस्यता (वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन) योजना का स्वागत करते हुए कहा कि कम से कम 6,300 महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को इस योजना का फायदा मिलेगा जिससे उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध का ढांचा मजबूत होगा।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विद्वानों के शोध लेखों और जर्नल प्रकाशनों तक देशव्यापी पहुंच प्रदान करने के लिए,''एक राष्ट्र, एक सदस्यता (वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन) योजना को हाल ही में मंजूरी दी है। इसके तहत तीन कैलेंडर वर्षों-2025, 2026 और 2027 के लिए कुल 6,000 करोड़ रुपए की राशि आवंटित की गई है। यूजीसी अध्यक्ष कुमार, स्वायत्तशासी महाविद्यालयों के क्षेत्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेने इंदौर आए थे। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन विषय पर केंद्रित यह सम्मेलन यूजीसी और इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने मिलकर आयोजित किया था।

यूजीसी अध्यक्ष ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से देश में संविधान की मूल भावना के मुताबिक सामाजिक न्याय, समानता और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। उच्च शिक्षण संस्थानों में स्वायत्तता बढ़ाने पर जोर देते हुए कुमार ने कहा,''राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आने के बाद से हम कह रहे हैं कि हम हर छोटी-छोटी चीज नहीं देखेंगे। हम आपको (उच्च शिक्षण संस्थानों) को एक मोटा-मोटा ढांचा दे रहे हैं ताकि इसके भीतर प्रयोग और नवाचार करके उच्च शिक्षा प्रणाली में बदलाव किए जा सकें। कुमार ने कहा कि पिछले चार साल में कई विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में बदलाव देखे गए हैं और यूजीसी वर्ष 2035 तक देश के सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को बढ़ाकर 50 फीसद के स्तर पर पहुंचाने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहा है।

सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्राओं में एक है रुपया : मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद रुपया सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्राओं में से एक बना हुआ है, जो भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद का संकेत है। उन्होंने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह भी कहा कि भारतीय रुपए का मूल्य बाजार द्वारा निर्धारित होता है, जिसका कोई लक्ष्य या विशिष्ट स्तर नहीं होता है।

चौधरी के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के दौरान, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में 19 नवंबर, 2024 तक 1.4 प्रतिशत की गिरावट आई है। मंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर अनिश्चितता ने प्रतिकूल परिस्थितियों को बढ़ाया। चौधरी ने कहा, इन सबके बावजूद, रुपया सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्राओं में से एक बना हुआ है।

अर्थव्यवस्था की गलत तस्वीर पेश कर डर का माहौल बना रहे हैं राहुल गांधी : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर में गिरावट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान की आलोचना की और कहा कि चुनिंदा आंकड़ों और आधे-अधूरे सच के साथ अर्थव्यवस्था की गलत तस्वीर पेश करने की उनकी कोशिश न केवल गुमराह करने वाली है, बल्कि यह बचकानी है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने रविवार को भारत की जीडीपी वृद्धि दर के दो साल में सबसे निचले स्तर पर आ जाने पर चिंता जताई थी और कहा था कि देश की अर्थव्यवस्था तब तक प्रगति नहीं कर सकती जब तक कि मुट्ठी भर अरबपति इसका लाभ उठाते रहेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था के लिए नई सोच की आवश्यकता है और व्यवसायों के लिए एक नया सौदा इसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर लिखा, चुनिंदा आंकड़ों और आधे अधूरे सत्य के साथ आर्थिक विनाश की तस्वीर पेश करने का आपका प्रयास न केवल भ्रामक है, बल्कि इसमें 'बालक बुद्धि' की बू आती है और इसमें जटिल वास्तविकताओं के 'बचकाने' अतिसरलीकरण की बू आती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता द्वारा 5.4 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर का रोना रोना 'हास्यास्पद' है जब यह विश्व स्तर पर सबसे अधिक वृद्धि दर में से एक है। उन्होंने कहा, इसकी तुलना चीन (4.6 प्रतिशत), संयुक्त राज्य अमेरिका (2.8 प्रतिशत) और यूरो क्षेत्र (0.9 प्रतिशत) से करें। भू-राजनीतिक संघर्ष और आपूर्ति शृंखला में बाधाओं से प्रभावित चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में भी भारत की अर्थव्यवस्था लचीली है, जबकि अन्य लड़खड़ा रही हैं।

जीएसटी राजस्व का लगभग 75 फीसदी 18% वाले स्लैब से आता है : वित्त राज्य मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में जमा किए गए जीएसटी राजस्व का लगभग 70-75 प्रतिशत इस कर के 18 प्रतिशत स्लैब से आया, जबकि केवल 5-6 प्रतिशत राशि 12 प्रतिशत वाले स्लैब से आई।

सरकार के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 के माल और सेवा कर (जीएसटी) राजस्व का केवल 6-8 प्रतिशत 5 प्रतिशत स्लैब से था, जबकि 28 प्रतिशत के उच्चतम कर स्लैब ने पिछले वित्त वर्ष में राजस्व में 13-15 प्रतिशत का योगदान दिया था। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में 2023-24 में विभिन्न कर स्लैब के तहत एकत्र किए गए जीएसटी (क्षतिपूर्ति उपकर और अन्य भुगतानों को छोड़कर) के अनुपात का विवरण साझा किया।

न्यायालय ने मतदाता संख्या बढ़ाने पर निर्वाचन आयोग का रुख पूछा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से उस जनहित याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1,200 से बढ़ाकर 1,500 करने के उसके फैसले को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने निर्वाचन आयोग से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने कहा, हम चिंतित हैं। किसी भी मतदाता को वंचित नहीं किया जाना चाहिए। पीठ ने आयोग की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह को प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या बढ़ाने संबंधी फैसले का औचित्य स्पष्ट करते हुए एक संक्षिप्त हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया।

पीठ ने कहा, निर्वाचन आयोग की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने कहा है कि वे एक संक्षिप्त हलफनामे के जरिये स्थिति स्पष्ट करेंगे। हलफनामा तीन हफ्ते के भीतर दाखिल किया जाए। सिंह ने कहा कि पीठ ईवीएम को लेकर लगातार लगाए जा रहे आरोपों से वाकिफ है। उन्होंने कहा, आरोप लगते रहेंगे। 2019 से मतदान ऐसे ही हो रहा है और मतदाता संख्या बढ़ाने से पहले हर निर्वाचन क्षेत्र में राजनीतिक दलों से परमार्श किया जा रहा है। सिंह ने कहा कि मतदान केंद्रों पर कई मतदान बूथ हो सकते हैं और जब प्रति ईवीएम मतदाताओं की कुल संख्या बढ़ाई गई, तो प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में राजनीतिक दलों से परामर्श किया गया। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को निर्धारित समय के बाद भी हमेशा वोट डालने की अनुमति दी गई।

पीठ ने निर्वाचन आयोग को अगली सुनवाई से पहले याचिकाकर्ता को अपने हलफनामे की एक प्रति मुहैया कराने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 27 जनवरी 2025 को होगी। इंदु प्रकाश सिंह की ओर से दायर जनहित याचिका में अगस्त में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दो विज्ञप्तियों को चुनौती दी गई है, जिसमें पूरे भारत में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में प्रति मतदान केंद्र मतदाताओं की संख्या बढ़ाने की बात कही गई है।

याचिकाकर्ता ने कहा है कि प्रति मतदान केंद्र मतदाताओं की संख्या बढ़ाने का फैसला मनमाना है और यह किसी भी डेटा पर आधारित नहीं है। शीर्ष अदालत ने 24 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग को कोई भी नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया था। हालांकि, उसने याचिकाकर्ता को आयोग के स्थायी वकील को याचिका की प्रति सौंपने की अनुमति दे दी थी, ताकि इस मुद्दे पर उसका रुख पता चल सके।

सेबी ने रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट के बैंक, डीमैट खाते कुर्क करने का आदेश दिया

नई दिल्ली/भाषा। बाजार नियामक सेबी ने सोमवार को 26 करोड़ रुपए का बकाया वसूलने के लिए रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट के बैंक खातों के साथ-साथ शेयरों और म्यूचुअल फंड खातों को कुर्क करने का आदेश दिया।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इससे पहले 14 नवंबर को रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (अब आरबीईपी एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड) को एक नोटिस भेजा था और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) के मामले में धन की हेराफेरी से संबंधित मामले में इकाई को 15 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने को कहा था।

रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट के जुर्माने का भुगतान नहीं करने को लेकर सेबी ने कुर्की नोटिस जारी किया।

बाजार नियामक ने लंबित बकाया राशि की वसूली के लिए कंपनी के बैंक, डीमैट खातों और म्यूचुअल फंड फोलियो को कुर्क करने का आदेश दिया है।

नोटिस के अनुसार, रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट पर 26 करोड़ रुपए का बकाया है, जिसमें ब्याज और वसूली लागत शामिल है।

नोटिस के अनुसार, सेबी ने कहा कि यह मानने के लिए पर्याप्त कारण हैं कि चूककर्ता बैंक खातों और डीमैट खातों या म्यूचुअल फंड फोलियो में प्रतिभूतियों का निपटान कर सकता है और 'इसलिए देय राशि की वसूली में देरी या बाधा उत्पन्न होगी।

'उत्पाद विकास का बेहद अहम पहलू है डिजाइन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। इटली के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि डिजाइन किसी उत्पाद के विकास का बेहद अहम पहलू है और इसमें मूल योजना से बेहतर उत्पाद देने की क्षमता है।

इटली के उद्यम और मेड इन इटली मंत्रालय के वरिष्ठ सलाहकार ऑगस्टो रेगियानी ने रविवार को मुंबई में विलागियो इटालिया प्रदर्शनी के दौरान यह टिप्पणी की। यह प्रदर्शनी इतालवी नौसेना के 93 साल पुराने जहाज अमेरिगो वेस्पुची के भारतीय बंदरगाह पर पहुंचने के बीच आयोजित की जा रही है, जिसका इस्तेमाल राष्ट्रीय कूटनीति के समर्थन और प्रशिक्षण के लिए किया जाता है।

रेगियानी ने कहा कि उत्पाद विकास के हर पड़ाव पर गहन अनुसंधान के साथ डिजाइन में सुधार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि डिजाइन का अंतिम उद्देश्य लोगों के दैनिक जीवन को आसान बनाना है और ऐसे कई उत्पाद प्रदर्शनी में देखने के लिए उपलब्ध हैं। इतालवी अधिकारी ने कहा कि अनुसंधान प्रयासों का अंतिम उद्देश्य लोगों के जीवन को और अधिक बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल जैसे उद्योग डिजाइन में उत्कृष्टता लाने के प्रयासों पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं।

संविदा, अतिथि शिक्षकों के लिए मानक वेतन का कोई प्रस्ताव नहीं : सरकार

नई दिल्ली/भाषा। शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को संविदा और अतिथि शिक्षकों के लिए अनुबंध और वेतन के मानकीकरण के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा की किसी भी योजना से इनकार कर दिया। यह जानकारी केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने लोकसभा में एक लिखित प्रश्न के उत्तर में साझा की। कांग्रेस सांसद धर्मवीर गांधी ने प्रश्न पूछा था कि क्या सरकार के पास संविदा या अतिथि शिक्षकों के लिए अनुबंध और वेतन के मानकीकरण के लिए राष्ट्रीय ढांचा स्थापित करने की कोई योजना है, जिससे उन्हें उनके द्वारा किए गए कार्य के लिए समान रूप से पारिश्रमिक मिले।

अदाणी समूह की छह कंपनियों के शेयर टूटे, अदाणी टोटल में करीब पांच प्रतिशत गिरावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह की छह कंपनियों के शेयरों में सोमवार को गिरावट दर्ज की गई। इनमें अदाणी टोटल गैस का शेयर करीब पांच प्रतिशत टूटा है। बीएसई में अदाणी टोटल गैस का शेयर 4.87 प्रतिशत गिरकर 772 रुपए पर और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 4.04 प्रतिशत गिरकर 806.60 रुपए पर आ गया।

एनडीटीवी के शेयर में 1.29 प्रतिशत की गिरावट आई, अदाणी विल्मर में 1.23 प्रतिशत, अदाणी पावर में एक प्रतिशत और अदाणी एंटरप्राइजेज में 0.28 प्रतिशत की गिरावट आई। सुबह के कारोबार के दौरान, अदाणी ग्रीन एनर्जी में नौ प्रतिशत की तेजी आई। हाल के आरोपों और अमेरिका में अभियोग के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आते हुए अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने शनिवार को कहा कि उनका समूह अनुपालन के लिए प्रतिबद्ध है और हाल के आरोपों और अमेरिका में उनके अभियोग के बीच 'हर हमला हमें मजबूत बनाता है। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का शेयर सुबह के कारोबार के दौरान 1,445 रुपए तक चढ़ गया, लेकिन बाद में शुरुआती बढ़त खो दी और 0.26% की तेजी के साथ 1,327.95 रुपए पर बंद हुआ। अदाणी पोर्ट्स के शेयर में 2.18%, अंबुजा सीमेंट्स में 1.34%, सांघी इंडस्ट्रीज (0.65%) और एसीसी (0.38%) के शेयरों में उछाल आया। जयपुर में 51वें रत्न एवं आभूषण पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, दो सप्ताह से भी कम समय पहले, हमें अनुपालन गतिविधियों के बारे में अमेरिका से आरोपों का सामना करना पड़ा था। यह पहली बार नहीं है जब हमें इस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। मैं आपको यह बता सकता हूं कि हर हमला हमें और मजबूत बनाता है। अमेरिका के न्याय मंत्रालय और अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले की अमेरिकी जिला अदालत में अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के प्रमुख पदाधिकारियों गौतम अदाणी, सागर अदाणी तथा विनीत जैन के खिलाफ 20 नवंबर 2024 को मामला दायर किया था। एजीईएल पर आरोप है कि सौर ऊर्जा बिक्री ठेका हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वत दी गई, जिससे कंपनी को 20 वर्ष की अवधि में दो अरब अमेरिकी डॉलर का लाभ हो सकता था।

भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों की समीक्षा कर रहा वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य मंत्रालय भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा कर रहा है। इसमें अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव प्रचार के दौरान और चुनाव परिणाम के बाद दिए गए बयानों के निहितार्थ पर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है। एक अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों में कोई ऐसी बात नहीं है जिससे भारत के विरुद्ध भेदभावपूर्ण शुल्क लगाया जा सके। ट्रंप ने चुनाव अभियान के दौरान भारत को आयात शुल्क का 'दुरुपयोग करने वाला' कहा था। यह दावा उनके अक्टूबर, 2020 के बयान की याद दिलाता है, जिसमें उन्होंने भारत को 'टैरिफ किंग' करार दिया था। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने शनिवार को ब्रिक्स देशों को अमेरिकी डॉलर का विकल्प तलाशने के किसी भी कदम के खिलाफ चेतावनी दी थी और नौ सदस्यीय समूह से प्रतिबद्धता मांगी थी। इस समूह में भारत, रूस, चीन और ब्राजील प्रमुख सदस्य हैं। ऐसे बयानों को देखते हुए व्यापार संबंधों पर विचार-विमर्श करना आवश्यक है, क्योंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चक्रवाती तूफान 'फेंगल' के कारण हुई भारी बारिश के कारण चेंगलपट्टू जिले, अधकाकालिनाडु क्षेत्र में बिजली के खंभे लगाने के काम का दौरा किया और निरीक्षण मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया। इस मौके पर मंत्री अनबरसन, एल्बास, विधानसभा सदस्य शिवशंकर आदि उपस्थित थे।

चक्रवाती तूफान 'फेंगल' के कारण हो रही बारिश से बेहाल विल्लुपुरम म्यूनिसिपल न्यू बस स्टैंड का दौरा और निरीक्षण सोमवार को उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने किया। इस मौके पर वनमंत्री डॉ. के पोनमुडी, वी सेंथिलबालाजी, ओएस शिवशंकर आदि उपस्थित थे।

तमिलनाडु के विल्लुपुरम में बाढ़ का प्रकोप, रेलवे ने परिचालन रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उत्तरी तमिलनाडु का विल्लुपुरम जिला अभूतपूर्व बाढ़ से जूझ रहा है। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को क्षेत्र का दौरा किया और प्रभावित लोगों से बात कर उन्हें राहत सामग्री वितरित की। विल्लुपुरम से होकर गुजरने वाली सभी रेल सेवाओं के अस्थायी रूप से निलंबित हो जाने से सैकड़ों यात्री प्रभावित हुए हैं। रेलवे के एक अधिकारी ने स्थिति में सुधार होने पर सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हुए सेवाओं को फिर से शुरू करने का संकेत दिया है। विल्लुपुरम और उसके आसपास के प्रमुख चेन्नई-तिरुचिरापल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात भी प्रभावित हुआ।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि उत्तर तटीय तमिलनाडु और पुडुचेरी के ऊपर पहुंचा चक्रवाती तूफान 'फेंगल' सोमवार को कमजोर होकर कम दबाव वाले क्षेत्र में तब्दील हो गया। विल्लुपुरम शहर, आस-पास के कस्बे और गांव भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं और बाढ़ का पानी निचले इलाकों में चला गया है। एक पुल का हिस्सा बह जाने के कारण तिरुवन्नामलाई जिले में अरनी के निकट कई गांवों का संपर्क टूट गया।

विल्लुपुरम में विक्रवंडी और मुंडियामपक्कम के बीच एक मुख्य पुल पर पानी खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण दक्षिणी रेलवे ने सोमवार सुबह उस प्रमुख खंड पर परिचालन स्थगित करने की घोषणा की। इसके परिणामस्वरूप एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों सहित कई सेवाओं को रद्द किया गया, कुछ का मार्ग परिवर्तित किया गया और कुछ ट्रेनों को कुछ समय के लिए रोक दिया गया। विल्लुपुरम चेन्नई, राज्य के अन्य उत्तरी भागों और तमिलनाडु के मध्य एवं दक्षिणी क्षेत्रों के बीच आसान संपर्क है, जहां बेहतर 'कनेक्टिविटी' है। थेनपेन्नई नदी उफान पर है और उत्तरी तटीय शहर कुड्डालोर भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कृषि मंत्री एमआरके पनीरसेल्वम ने क्षेत्र का दौरा किया।

पश्चिमी जिले धर्मपुरी और कृष्णगिरि जिले भी बाढ़ की चपेट में हैं। कृष्णगिरि में पिछले दो से तीन दशकों में अभूतपूर्व बाढ़ आई और कार एवं वैन सहित कई वाहन बाढ़ के पानी में बहकर निचले इलाकों में चले गए। बाढ़ के कारण उथंगराई से कृष्णगिरि और तिरुवन्नामलाई जैसे शहरों तक सड़क मार्ग से पहुंचना मुश्किल हो गया है।

आईएमडी ने कहा, उत्तर तटीय तमिलनाडु और पुडुचेरी पर चक्रवाती तूफान फेंगल' के कारण बना कम दबाव का क्षेत्र लगभग पश्चिम की ओर बढ़ गया और आज दो दिसंबर, 2024 को सुबह साढ़े पांच बजे तक यह उत्तर आंतरिक तमिलनाडु में कमजोर होकर निम्न दबाव क्षेत्र में तब्दील हो गया। शेष निम्न दबाव क्षेत्र तीन दिसंबर 2024 के आसपास उत्तर केरल-कर्नाटक तटों से दूर दक्षिण-पूर्व और आसपास के पूर्व-मध्य अरब सागर में उभरने की संभावना है।

राहत कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को विल्लुपुरम जिले के विक्रावंडी राजस्व जिला कार्यालय में फेनचल तूफान के कारण हुई भारी बारिश से प्रभावित लोगों को शिविरों में वेट्टी, साड़ी, खाद्य सामग्री और राहत सहायता वितरण करते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन। इस मौके पर वन मंत्री डॉ. पोनमुडी, परिवहन मंत्री एस.एस. शिवशंकर, संसद सदस्य टी. रविकुमार, विधान सभा सदस्य सेनजी के.एस. लक्ष्मणन, श्रीशिवा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, लोक निर्माण विभाग एवं आयुक्त परिवहन विभाग डॉ.एस.मणिवासन आदि उपस्थित थे।

चेन्नई में सोमवार को सूर्यनारायण स्ट्रीट, रायपुरम स्थित इंटीग्रेटेड कैंटीन का दौरा मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया। चक्रवाती तूफान 'फेंगल' के कारण चेन्नई में भारी बारिश हो रही है और जनता की सेवा के लिए भोजन तैयार करने के काम का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ मंत्री केएन नेहरू, बीके शेखर बाबू, महानगर चेन्नई की महापौर आर प्रिया, विधानसभा सदस्य ईरा मूर्ति आदि उपस्थित थे।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को नई दिल्ली में तमिलनाडु के वित्त पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री थंगम थानरासु ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस बैठक के दौरान प्रमुख सचिव, वाणिज्यिक कर विभाग के प्रमुख् सचिव बिजेन्द्र नवनीत, वित्त विभाग के उपसचिव प्रतीक दयाल आदि उपस्थित थे।

भारी बारिश के कारण कृष्णागिरी जिले में बाढ़ जैसे हालात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कृष्णागिरी। चक्रवात फेंगल के कारण तमिलनाडु में भारी बारिश हो रही है। भारी बारिश के कारण कृष्णागिरी जिले के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। सबसे ज्यादा असर उथांगरई तालुका में देखा जा रहा है। उथांगरई बस अड्डे में बाढ़ का पानी घुस गया है, जिस वजह से वहां खड़ी कई बसें पानी के तेज बहाव की चपेट में आ गई हैं।

बाढ़ का पानी सड़कों पर बह रहा है, इससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इलाके के कई घरों में भी पानी घुस गया है। लोगों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। वहीं मिट्टापल्ली, पुरुकलापल्ली और इलाचियूर गांवों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। सिंगारपट्टई में पेरियार झील भर जाने से पानी रिहायशी इलाकों में घुस गया है। इस कारण इलाके के लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बीसी वेलफेयर हॉस्टल में भी पानी भर गया है, जिसके चलते आठ छात्रों को उथांगरई के दूसरे हॉस्टल में शिफ्ट कर दिया गया। इसके अलावा, जवाधु पहाड़ियों से पानी के आवक में तेजी के कारण उथांगरई तालुका की एक पंचायत में एक झील के पानी से आसपास का इलाका जलमग्न हो गया है। जिला प्रशासन की ओर से रेस्क्यू और रिलीफ का काम किया जा रहा है। जिले में पिछले 24 घंटे में तकरीबन 377 सेंटीमीटर बारिश होने के चलते बाढ़ के हालात पैदा हुए हैं। तूफान का असर कम हो रहा है, ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि धीरे-धीरे हालात सामान्य हो जाएंगे।

अन्नामलाईयार पहाड़ी में फंसे सात लोगों की तलाश शुरू

तिरुवन्नमलाई। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के दल ने जिले के अन्नामलाईयार पहाड़ी क्षेत्र में सात लोगों के ''फंसे'' होने की आशंका के मद्देनजर सोमवार को एक इमारत के ऊपर से मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया। अभियान में शामिल दल, श्वान दस्ते के साथ घटना स्थल पर पहुंचा। तिरुवन्नमलाई के जिलाधिकारी डी भास्कर पांडियन ने तलहटी पर वीओसी नगर में प्रभावित घर का निरीक्षण करने के बाद कहा, स्थानीय लोगों के अनुसार इस इमारत में पांच बच्चों सहित सात लोग रह रहे थे। यह पता नहीं लग पाया है कि ये लोग अभी वहीं हैं या (भारी बारिश के कारण) कहीं और शरण ले चुके हैं। बचाव अभियान से ही स्पष्ट हो पाएगा।

जिलाधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि रविवार को चक्रवात फेंगल' के प्रभाव से हुई भारी बारिश के कारण पहाड़ी की चोटी पर मिट्टी खिसकने से एक पत्थर लुढ़क गया। उन्होंने कहा, इसकी वजह से एक घर पूरी तरह मलबे में दब गया। मैं और पुलिस अधीक्षक तथा अन्य अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। पहाड़ी पर अब भी एक पत्थर इस हालत में है कि वह कभी भी गिर सकता है। उन्होंने कहा, हालांकि अभी बारिश नहीं हो रही है, लेकिन रात भर हुई बारिश के कारण पहाड़ी पर मिट्टी खिसकने की आशंका है। इसलिए, हमने अब तक इलाके से 50 से 80 लोगों को निकाल लिया है। घर पूरा मलबे से ढक गया है।

एक अधिकारी ने बताया कि एनडीआरएफ के दल ने जिला प्रशासन, पुलिस और अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग के साथ मिलकर बचाव अभियान शुरू कर दिया है।

कन्नूर में एक करोड़ रुपए और सोने के 300 सिक्कों की चोरी के मामले में पड़ोसी गिरफ्तार

कन्नूर/भाषा। कन्नूर जिले में पिछले सप्ताह एक व्यापारी के घर से एक करोड़ रुपये और सोने के 300 सिक्के चोरी होने के मामले में केरल पुलिस ने सोमवार को शिकायतकर्ता के पड़ोसी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच के लिए गठित किए गए जांच दल ने शनिवार को आरोपी लिजेश (30) को हिरासत में ले लिया। चोरी की गई नकदी और सिक्के, लिजेश के घर में एक खाट के नीचे से बरामद किए गए। लिजेश पेशे से 'वेल्डर' है। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और फिंगरप्रिंट' साक्ष्य के आधार पर सफलता मिली।

सीसीटीवी में आरोपी को चोरी के अगले दिन उसी घर में वापस आते हुए देखा गया और इससे चोरी के इस प्रकरण में किसी परिचित व्यक्ति के शामिल होने का संदेह पैदा हुआ। पुलिस ने बताया कि घर के अंदर एक छेनी और उंगलियों के निशान जैसे महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। चावल व्यापारी अशरफ और उनका परिवार 19 नवंबर को मदुरै में एक विवाह समारोह में शामिल होने गया था और 24 नवंबर को घर लौटने के बाद उन्हें घटना के बारे में पता लगा।

उच्चतम न्यायालय ने द्रमुक नेता सेंथिल बालाजी के मंत्री बनने के बाद गवाहों पर 'दबाव' की आशंका जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने धन शोधन मामले में जमानत मिलने के कुछ दिनों बाद द्रमुक नेता वी. सेंथिल बालाजी को तमिलनाडु सरकार में मंत्री बनाये जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए सोमवार को मामले में गवाहों पर ''दबाव'' डालने की आशंका जताने वाली याचिका पर सुनवाई करने को लेकर सहमति व्यक्त की। यह कथित धन शोधन मामला नौकरी के बदले 'नकदी घोटाले' से संबंधित है।

न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने हालांकि, एक शिकायतकर्ता द्वारा दायर याचिका पर बालाजी को जमानत देने के शीर्ष अदालत के 26 सितंबर के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। पीठ ने बालाजी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी से पूछा, हमने आपको जमानत दे दी और कुछ दिनों बाद आप मंत्री बन गए। कोई भी यह सोच सकता है कि अब जब आप वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री हैं, तो गवाहों पर दबाव होगा। यह क्या हो रहा है? हालांकि, पीठ ने कहा कि वह 26 सितंबर के आदेश को वापस नहीं लेगी। न्यायमूर्ति ओका ने कहा कि अदालत इस मामले में कोई नोटिस जारी नहीं करेगी, बल्कि जांच का दायरा यहां तक सीमित रखेगी कि क्या गवाहों पर मामले में गवाही देने के संबंध में कोई ''दबाव'' तो नहीं होगा। पीठ ने अपने आदेश में कहा, आशंका यह है कि दूसरे प्रतिवादी (बालाजी) के खिलाफ आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, गवाह ऐसे व्यक्ति के खिलाफ गवाही देने की मानसिक स्थिति में नहीं होंगे, जो कैबिनेट मंत्री का पद संभाल रहा है। यह एकमात्र पहलू है जिस पर प्रथम दृष्टया हम विचार करने के लिए इच्छुक हैं। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 13 दिसंबर तय की है।

पुडुचेरी सरकार चक्रवात से हुए नुकसान का आकलन कर रही है, केंद्र को रिपोर्ट भेजेगी : मुख्यमंत्री रंगास्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगास्वामी ने कहा कि चक्रवात फेंगल' से हुए नुकसान का आकलन कर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है और राहत मांगने के लिए इसे केंद्र को भेजा जाएगा। पुडुचेरी के गृह मंत्री ए नमः शिवायम ने एक विज्ञप्ति में कहा कि सोमवार को पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्रों में सभी स्कूल और कॉलेज बंद रहेंगे।

चक्रवात 'फेंगल' 30 नवंबर को पुडुचेरी के पास पहुंचने के बाद रविवार को कमजोर पड़ गया, लेकिन इसके प्रभाव के चलते हुई मूसलाधार बारिश ने केंद्र शासित प्रदेश में तबाही ला दी। पानी की वजह से जलमग्न हुए इलाकों में फंसे लोगों को निकालने के लिए सेना को मोर्चा संभालना पड़ा। अधिकारियों ने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा कि बारिश से संबंधित घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई। पूरे क्षेत्र में ठप पड़ी बिजली आपूर्ति सोमवार को सुबह चरणबद्ध तरीके से बहाल कर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि बिजली विभाग के कुछ उप केंद्रों में पानी भर गया था जिसे बाहर निकालने के लिए तत्काल कदम उठाए गए।

उन्होंने बताया कि वेंकट नगर, कामराज नगर, वलालर सलाई, कामराजर सलाई और कई आवासीय कॉलोनियों में पानी भर गया और लोग घरों में कैद हो गए। मुख्यमंत्री ने रविवार को पुडुचेरी और उसके आसपास बारिश से प्रभावित इलाकों का दौरा किया। रंगास्वामी ने संवाददाताओं से कहा कि चक्रवात फेंगल' के कारण और पुडुचेरी तथा कराईकल क्षेत्रों में भारी बारिश से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है और केंद्र सरकार को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

उपराज्यपाल के कैलाशनाथन ने भी बारिश से प्रभावित कई इलाकों का दौरा किया। इस बीच, पुडुचेरी के जिलाधिकारी ए कुलोथुंगन ने सोमवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में सबसे भारी बारिश दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है कि पिछले 50 वर्षों के दौरान पुडुचेरी में इतनी भारी बारिश हुई। उन्होंने एक विज्ञप्ति में कहा कि राहत शिविर स्थापित कर बाढ़ में फंसे लोगों को शिविरों में ले जाया गया, जहां उन्हें भोजन के पैकेट दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि अरकोणम (तमिलनाडु) से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीम और रक्षा विभाग द्वारा तैनात सेना के जवानों की मदद से वरिष्ठ नागरिकों सहित कई लोगों को उनके घरों से निकालकर राहत शिविरों में पहुंचाया गया। कुलोथुंगन ने कहा कि पांडिचेरी हेरिटेज राउंड टेबल 16% जैसे स्वयंसेवी संगठनों ने राहत शिविरों में रह रहे लोगों को भोजन के पैकेट उपलब्ध कराने के लिए सरकार के प्रयासों में सहयोग दिया है।

भारी बारिश के बीच सबरीमला तीर्थयात्रियों के नदियों और वन मार्गों पर प्रवेश वर्जित किए गए

पथनमथिट्टा/इडुक्की/भाषा। पथनमथिट्टा और इडुक्की जिलों में भारी वर्षा के मद्देनजर, अधिकारियों ने सबरीमला मंदिर आने वाले तीर्थयात्रियों के नदियों में प्रवेश या स्नान घाटों का उपयोग पूरी तरह से वर्जित करने के आदेश जारी किए हैं और साथराम के रास्ते वन मार्ग से पहाड़ी मंदिर तक तीर्थयात्रियों की यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है। इडुक्की और पथनमथिट्टा के जिलाधिकारियों ने अपने अलग-अलग आदेशों में कहा कि तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अस्थायी प्रतिबंध लगाए गए हैं।

जिलाधिकारी एस. प्रेम कृष्ण ने आदेश में कहा कि भारी बारिश की चेतावनी जारी रहने तक पथनमथिट्टा जिले में नदियों और घाटों पर तीर्थयात्रियों के जाने पर प्रतिबंध लागू रहेगा। आदेश में कहा गया है कि भारी वर्षा से निचले इलाकों में बाढ़, जलभराव, भूस्खलन और अन्य आपदाओं का खतरा बढ़ गया है। इसमें कहा गया है, तेज बारिश के कारण पहाड़ी क्षेत्र और जंगल, अचानक बाढ़, भूस्खलन और भूधंसाव को लेकर विशेष रूप से संवेदनशील हैं। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और आगंतुकों को अत्यधिक सतर्क रहने की सलाह दी जाती है।

आदेश में जलाशयों से पानी छोड़े जाने की संभावना का भी उल्लेख किया गया है, जिसके चलते किसी भी हाल में नदियों को पार करना, नदियों और जल निकायों में स्नान करना या अन्य गतिविधियों को सख्त वर्जित किया गया है। मुक्कुझी-सत्रम वन मार्ग से यात्रा पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी करते हुए इडुक्की की जिलाधिकारी वी. विग्नेश्वरी ने कहा कि मौसम की स्थिति में सुधार होने तक प्रतिबंध लागू रहेगा। आदेश में कहा गया है कि पुलिस और वन विभाग को भी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य सरकार निवेशकों की हर बाधा दूर कर निवेश अनुकूल माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिला प्रभारी एवं उद्योग व वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों की हर रुकावट को दूर कर प्रदेश में निवेश अनुकूल माहौल बनाकर औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारकर राजस्थान को औद्योगिक गतिशील प्रदेश बनाने के लिए राज्य सरकार निवेशकों को हरसंभव मदद कर रही है, ताकि हमारे युवाओं के लिए रोजगार के भरपूर अवसर पैदा हो सके। कर्नल राठौड़ आगामी 9 से 11 दिसंबर तक जयपुर में प्रस्तावित राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 की कड़ी में सोमवार को दौसा जिले के जयपुर रोड स्थित एक निजी होटल में आयोजित जिला स्तरीय राइजिंग दौसा इन्वेस्टर मीट में निवेशकों को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान जिले के औद्योगिक विकास की संकल्पना साकार करते हुए निवेशकों ने उत्साह से 2094.72 करोड़ रुपए के 95 एमओयू किये, जिससे 5818 लोगों को रोजगार मिलेगा। इनमें पावर ग्रिड (पीजीसीआईएल) द्वारा 1038.43 करोड़ रुपए, मोहनजी यूनिवर्सिटी दौसा द्वारा 500 करोड़, सप्तऋषि इंस्टीट्यूट ग्रुप द्वारा 100 करोड़ रुपए, अखिल राज्य ट्रेड एवं इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा 70 करोड़ एवं केमटेक केपीओ पार्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 50 करोड़ रुपए के प्रमुख एमओयू किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि देश में प्रगतिशील सोच वाली मजबूत सरकार है, जिससे स्थिरता के साथ निवेश अनुकूल माहौल बना है। अपने विशाल एवं विविधतापूर्ण भौगोलिक परिदृश्य के कारण हमारे प्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएं हैं, जहां दौसा जिला दिल्ली-जयपुर के बीच अपनी विशिष्ट स्थिति के कारण सबसे महत्वपूर्ण निवेश स्थल के रूप में उभर रहा है। दौसा में रीको ने इंडस्ट्रीयल पार्क के लिए जमीन चिह्नित की है। यहां स्टोन पार्क के साथ वुडन पार्क की भी अच्छी संभावना है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राज्य सरकार की ओर से ऐसी नीतियां बनाई जा रही है, जिससे यहां उद्योग लगाना और उसे चलाना काफी आसान हो। शीघ्र ही रिप्स-2024 सहित 21 नई नीतियां घोषित की जाएगी, जिससे नियमों में स्पष्टता आएगी और निवेशक को निवेश करने में कोई उलझन नहीं होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्योगों की जरूरत के मुताबिक कुशल युवक-युवतियां तैयार करने के लिए राज्य सरकार ने टाटा कंपनी के साथ 100 से अधिक आईटीआई के लिए एमओयू किया है। उन्होंने कहा कि जहां बड़े औद्योगिक पार्क बनाना व्यावहारिक नहीं है, वहां छोटे कलस्टर बनाकर उनके लिए मार्केटिंग की उचित व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार के कार्यकाल के पहले ही साल में इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित करना इस बात का द्योतक है कि सरकार निवेश के प्रति पूरी तरह गंभीर है और सभी निवेश प्रस्तावों को इसी सरकार के कार्यकाल में धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने निवेशकों और उद्यमियों का स्वागत करते हुए कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार यह मीट जिले में औद्योगिक वातावरण को तैयार कर युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान करने में सहायक होगी। जिला प्रभारी सचिव भवानीसिंह देथा ने कहा कि निवेश प्रस्तावों को शीघ्र धरातल पर उतारने के लिए ऑनलाइन मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित किया गया है। राज्य स्तर पर हर एमओयू की मॉनिटरिंग की जाएगी ताकि निवेशकों को असुविधा का सामना नहीं करना पड़े और वह अपने प्रोजेक्ट को समय पर चालू कर सके। इस दौरान सिकन्दरा स्टोन आर्टिकल्स, लवाण दरी, हैंडीक्राफ्ट, जैविक उत्पाद एवं राजीविका के उत्पाद सहित विभिन्न इकाइयों की स्टॉल प्रदर्शनी भी लगाई गई। प्रदर्शनी जनप्रतिनिधियों, निवेशकों, उद्यमियों एवं गणमान्य जनों के लिए आकर्षण का केन्द्र रही। अतिथियों ने स्टॉल्स का अवलोकन कर उपलब्ध उत्पादों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

अजमेर दरगाह शरीफ मामले में न्यायालय का जो भी निर्णय होगा उसे सभी को मानना होगा : राजेन्द्र राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने रविवार को कहा कि अजमेर दरगाह शरीफ मामले में न्यायालय का जो भी निर्णय होगा उसे सभी को मानना होगा। अजमेर के सर्किट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत में राठौड़ ने कहा, अजमेर दरगाह शरीफ मामले को अभी आगे बढ़ाना उचित नहीं होगा। न्यायायल का जो निर्णय होगा, उसे सभी को मानना होगा। जब तक कोई भी प्रकरण सुनवाई के स्तर पर नहीं पहुंचता। कुछ भी कहना अपरिपक्वता होगी।

अजमेर की एक स्थानीय अदालत ने बुधवार को दायर याचिका पर अजमेर दरगाह समिति, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), दिल्ली को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह नोटिस एक याचिका पर जारी किए गए, जिसमें दावा किया गया था कि दरगाह एक शिव मंदिर के ऊपर बनाई गई थी, इस दावे ने विवाद को जन्म दे दीया है। राठौड़ ने कहा कि 11 माह के अल्प कालखंड में सरकार ने जहां समुचित कानून व्यवस्था बनाए रखी, वहीं दूसरी ओर जनमानस के सपनों को हकीकत में बदलने के लिए काम किया है।

राठौड़ ने कहा कि मंत्रिमंडल की बैठक में 'राजस्थान प्रोहिबेशन ऑफ अनलॉफुल कन्वर्जन ऑफ रिलीजन बिल-2024' को मंजूरी दी गई है। इस विधेयक का लंबे समय से इंतजार था। उन्होंने कहा कि एक अध्यादेश के माध्यम से

राज्य सरकार ने गैरकानूनी तरीके से, छल कपट से धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं पर शिकंजा कसा है। कपट पूर्वक धर्म परिवर्तन के बाद शादी होती है तो इस कानून के तहत अदालतों को यह अधिकार होगा कि वह उसे शून्य कर सकें। राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नीतिगत निर्णय लेकर राजस्थान में निवेश के माहौल के साथ हर जगह प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने मंत्रिमंडल की बैठक में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। राठौड़ ने विपक्ष द्वारा सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि राजस्थान की 'डबल इंजन' सरकार ने जनता के दिलोदिमाग पर किस तरह राज किया है यह उपचुनावों के नतीजों के रूप में सामने आ गया। ऐसे में उप चुनाव के परिणाम विपक्ष के आक्षेपों के भी जवाब हैं। भाजपा के राज्यसभा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी ने मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये निर्णयों का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा अवैध धर्मांतरण पर प्रहार कर 'लव जिहाद' पर रोक लगाने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शर्मा ने 'द राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ अनलॉफुल कनवर्जन ऑफ रिलीजन बिल 2024' को कैबिनेट से मंजूरी दिलाकर इस आवश्यकता को पूरा कर दीया। जयपुर में भाजपा मुख्यालय में सवांददाताओं से बातचीत में तिवाड़ी ने कहा कि प्रदेश की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के राज में इस विधेयक को लाया गया था, लेकिन तत्कालीन राज्यपाल ने इस पर हस्ताक्षर नहीं किया और राष्ट्रपति को भेज दीया।

तिवाड़ी ने कहा कि इसके बाद कांग्रेस सरकार ने इस विधेयक को लागू नहीं किया लेकिन अब भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार ने इस विधेयक को कैबिनेट की मंजूरी दिलाकर ऐतिहासिक फैसला किया है। इसके लिए मुख्यमंत्री शर्मा का एक बार फिर से धन्यवाद और आभार। उन्होंने कहा कि इस विधेयक में प्रावधान किया गया है कि अगर कोई लोभ, प्रलोभन, डर, कपटपूर्वक, बल पूर्वक, अनुचित प्रभाव का इस्तेमाल कर धर्म परिवर्तन करवाता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तिवाड़ी ने दावा किया कि राजस्थान के इतिहास में यह अहम कानून साबित होगा और इसकी प्रदेश में बहुत ही आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि केवल राजस्थान में ही नहीं बल्कि पूरे देश में इस कानून की आवश्यकता है। तिवाड़ी ने कहा इस कानून में कहीं पर भी किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन नहीं है, अगर कोई व्यक्ति स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करता है तो वह जिला कलेक्टर को सूचित कर एक प्रक्रिया के माध्यम से आसानी से कर सकता है।

कोटा में मध्यप्रदेश के दो मजदूर नहर में गिरे, मौत

कोटा। राजस्थान के कोटा में मध्यप्रदेश के दो मजदूरों की रविवार को शराब पीने के दौरान कथित तौर पर नहर में गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना प्रभारी (एसएचओ) रामस्वरूप मीणा ने बताया कि मध्यप्रदेश के मुरैना निवासी मनोज (45) और भिंड निवासी सत्येंद्र (31) कोटा में एक 'कैटरिंग (खान पान) फर्म' में काम करते थे।

मीणा के अनुसार, दोपहर करीब तीन बजे दोनों कथित तौर पर शराब पीने के दौरान भदाना नहर की दीवार से नीचे गिर गए। थाना प्रभारी ने बताया कि मामला तब प्रकाश में आया जब उन्हें खोज रहे उनके परिवार के सदस्य रात में मौके पर पहुंचे और दीवार के पास उनकी चप्पलें और देशी शराब की बोतलें देखीं।

गृह रक्षा संगठन के 62वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर/दक्षिण भारत । गृह रक्षा संगठन के 62वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र जयपुर में महिला खो-खो खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में केन्द्र के विभिन्न सेक्टरों एवं उपकेन्द्रों की होमगार्ड स्वयंसेविकाओं की टीमों ने हिस्सा लिया।

होमगार्ड ट्रेनिंग सेंटर की कमाण्डेन्ट सुमन ढाका ने बताया कि प्रतियोगिता में सेक्टर 5 एवं ग्रामीण की संयुक्त टीम विजेता और सेक्टर 1 व 2 की संयुक्त टीम उपविजेता रही। उन्होंने बताया कि साप्ताहिक कार्यक्रम के दौरान अन्य खेल प्रतियोगिताओं, मैराथन, रक्तदान शिविर, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान और जिला स्तरीय परेड समारोह का आयोजन किया जाएगा।

विधायक ने लोक कवि मोहन मण्डेला के नाम से शाहपुरा में ऑडिटोरियम बनाने की घोषणा की

देर रात तक चला कविसम्मेलन, बाबू बंजारा को लोक साहित्य सम्मान से नवाजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शाहपुरा। साहित्य सृजन कला संगम संस्थान के तत्वावधान में आयोजित लोक कवि मोहन मण्डेला स्मृति 27 वें कविसम्मेलन में श्रोताओं से खचाखच भरे श्रीराम टॉकीज हॉल में सभी कवियों ने अपने काव्यपाठ से श्रोताओं को आनन्द से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शाहपुरा-बनेड़ा क्षेत्र के विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने शाहपुरा जिले में एक टॉउन हॉल की कमी को महसूस करते हुए शीघ्र ही 1000 व्यक्तियों की क्षमता वाले टॉउन हॉल का निर्माण किए जाने, लोक कवि मोहन मण्डेला के नाम पर उसका नामकरण करने तथा शीघ्र इसके लिए बजट पास कराने की घोषणा की, जिस पर श्रोताओं ने खड़े होकर करतल ध्वनि से इस घोषणा का स्वागत किया। विधायक बैरवा ने क्षेत्र में किए जा रहे विकास के कार्यों को भी रेखांकित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपरिषद सभापति रघुनन्दन सोनी ने की। विशिष्ट अतिथि एमएलडी एकेडमिक ग्रुप के चेयरमैन चन्द्रप्रकाश दुबे एवं पुलिस उप अधीक्षक ओमप्रकाश विश्नोई का संस्था द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत-सत्कार किया गया। राजस्थानी भाषा के हाड़ौती अंचल के लोक रंजन के सुप्रसिद्ध कवि बाबू बंजारा- बारां को वर्ष-2024 के ''लोक कवि मोहन मण्डेला लोक साहित्य सम्मान'' से नवाजा गया। सम्मान में श्रीफल, शॉल एवं नकद राशि एवं मानपत्र आदि भेंट कर संस्थान परिवार एवं अतिथियों द्वारा भेंट किए गए। मान पत्र का वाचन संस्थान अध्यक्ष जयदेव जोशी ने किया।

पहली बार ऑडिटोरियम के रूप में श्रीराम टॉकीज में हुए इस ऐतिहासिक कवि सम्मेलन में कवियों ने एक से बढ़कर एक रचनाएं सुनाई जिन पर श्रोताओं ने कभी खूब ठहाके लगाए तो कभी उनकी आंखें नम मिलीं। सर्व प्रथम हास्य कवि दिनेश बंटी की कविताओं एवं हास्य फुलझड़ियों से हॉल ठहाकों से गूंजने लगा। उन्होंने अपनी नई कविता 'पड़ौसन' सुनाकर श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया। उसके बाद एक एक कर देश के जाने माने कवियों ने अपनी श्रेष्ठ रचनाएँ सुनाई। कार्यक्रम के अंतिम चरण में कवि सम्मेलन के सूत्रधार एवं संयोजक डॉ.कैलाश मण्डेला ने अपने चिर परिचित अंदाज में लोककवि मोहन मण्डेलाजी की प्रसिद्ध रचना 'छबळक-छबळक' का काव्यपाठ कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कवि सम्मेलन का शिखर कलश अपनी बहुचर्चित पुस्तक 'हेली सुणजे ए' से अपनी प्रसिद्ध हेली-गीत 'हेली मेळो लाग्यो भारी,कांई लेवण री मन धारी' सुना कर कार्यक्रम को बुलंदियों पर पहुंचा दिया। उपस्थित सभी श्रोताओं, अतिथियों एवं कवियों ने खड़े होकर दो मिनिट तक करतल ध्वनी से लोककवि मोहन मण्डेला जी को अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम अध्यक्ष जयदेव जोशी ने सभी अतिथियों, साहित्य सृजन संस्थान परिवार के सदस्य जिनमें शिवप्रकाश जोशी, पं. सुनील भट्ट, सत्यव्रत वैष्णव, आमीन शेख, शांति लाल मामोड़िया, नगरपरिषद, थानाधिकारी माया बैरवा आदि सभी का सहयोग हेतु आभार प्रकट किया।

'राइजिंग राजस्थान' में न्यूनतम होगा प्लास्टिक का उपयोग : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को सफल बनाने के लिए 10 दिनों तक प्रत्येक दिन एक नए संकल्प लेने की पहल की है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने सोमवार को पांचवा संकल्प लेते हुए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करने का निश्चय किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के प्रति संकल्पित होकर कार्य कर रही है। धरती को स्वच्छ भविष्य देने की मुहिम में अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए हमारी सरकार पर्यावरण के प्रतिकूल गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है।

भारत विश्व की सर्वाधिक प्राचीन संस्कृति वाला देश : राज्यपाल

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को कहा कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन संस्कृति वाला देश है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में राज्यों के नाम और स्थानों के बारे में महत्वपूर्ण प्रसंग हैं। राजभवन मे झारखंड,नगालैंड और असम के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोंधित करते हुए उन्होंने झारखंड में ब्रिटिश सरकार के खिलाफ लड़ने वाले धरती आबा बिरसा मुंडा को याद किया और कहा कि आदिवासी धरोहर को संजोने वाला यह देश का प्रमुख राज्य है।

उन्होंने नगालैंड के इतिहास और असम की संस्कृति की चर्चा करते हुए इन राज्यों के निवासियों की कलाओं से सीख लेने का भी आह्वान किया। राज्यपाल ने इस दौरान इन राज्यों के निवासियों से संवाद करते

हुए उनका राजभवन में अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि राजभवन में राज्यों का स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया जा सके। राज्यपाल ने झारखंड, नगालैंड और असम के स्थापना दिवस की चर्चा करते हुए इन राज्यों की संस्कृति, कला और जीवन से जुड़े अहम पहलुओं की भी जानकारी दी।

भेंट

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मुलाकात की। एक सरकारी बयान के अनुसार इस दौरान उन्होंने प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उनसे चर्चा की। राज्यपाल के साथ मुख्यमंत्री की यह शिष्टाचार भेंट थी।

प्रदेश में पशु चिकित्सा के ढांचे को सुदृढ़ करने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी : कुमावत

जयपुर/दक्षिण भारत। वित्तीय वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा की अनुपालना में राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर 24 प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालयों को बहुद्देशीय पशु चिकित्सालय में क्रमोन्नत किए जाने की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है।

पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवेदनशील मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार का लक्ष्य पशुपालकों का आर्थिक उन्नयन और पशुओं का कल्याण सुनिश्चित करना है। पशु चिकित्सा सेवा पशुओं के कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसीलिए राज्य सरकार प्रदेश में पशु चिकित्सा सेवाओं के विस्तार के लिए सतत प्रयासरत है। इसी के तहत बजट घोषणा की अनुपालना में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 24 प्रथम श्रेणी के पशु चिकित्सालयों के क्रमोन्नयन के आदेश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पशु चिकित्सा के ढांचे को सुदृढ़ करने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

कुमावत ने बताया कि इन बहुद्देशीय पशुचिकित्सालयों में शल्य चिकित्सा, गायनेकोलॉजी और मेडिसिन के विशेषज्ञ चिकित्सक एक ही छत के नीचे पशुपालकों को उपलब्ध हो सकेंगे।

पर्यटन विभाग में हुआ 'महाराणा प्रताप ट्यूरिस्ट सर्किट' एवं 'ब्रज चौरासी यात्रा' का प्रस्तुतिकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के समक्ष सोमवार को पर्यटन भवन में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत तथा पर्यटन शासन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में महाराणा प्रताप ट्यूरिस्ट सर्किट एवं ब्रज चौरासी यात्रा' का प्रस्तुतिकरण दीया गया।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के समक्ष निविदाओं का कन्सलटेन्टस/आर्किएक्टस द्वारा उक्तानुसार बिंदुवार प्रस्तुतिकरण दीया गया। प्रस्तुतिकरण में महाराणा प्रताप ट्यूरिस्ट सर्किट एवं ब्रज चौरासी यात्रा' का विकास करना तथा यहां आने वाले पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विकास करने हेतु विभिन्न बिंदु प्रस्तावित किए गए। दीया कुमारी ने प्रस्तुतिकरण पश्चात पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि आज विभिन्न एजेंसियो की ओर से प्रस्तुतिकरण दिए गए हैं। उक्त आधार पर बिंदुवार नियोजित रूप से योजना बनाकर काम किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने राजस्थान पर्यटन विभाग की 145 करोड़ की दो बड़ी योजनाओं को मंजूरी पर पत्रकारों के समक्ष केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का आभार जताते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने विभिन्न पर्यटन केन्द्रों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए पूंजीगत व्यय की विशेष योजना के अंतर्गत आमेर और नाहरगढ़ के विकास के लिए 49.31 करोड़ और जल महल क्षेत्र के विकास के लिए 96.61 करोड़ रही परियोजना को मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि जयपुर में सबसे ज्यादा पर्यटक आते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए विश्वस्तरीय पर्यटन सुविधाएं विकसित करने को लक्षित किया गया है। उन्होंने बताया कि बजट में जयपुर के चारदीवारी क्षेत्र के लिए 100 करोड़ की योजना के क्रियान्वयन का काम चल रहा है।

‘असंतुष्ट आत्माओं का सागर’ है राजनीति : नितिन गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर (महाराष्ट्र)/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि राजनीति ''असंतुष्ट आत्माओं का सागर'' है, जहां हर व्यक्ति दुखी है और अपने वर्तमान पद से ऊंचे पद की आकांक्षा रखता है।

नागपुर में रविवार को ‘जीवन के 50 स्वर्णिम नियम’ नामक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर गडकरी ने कहा कि जीवन समझौतों, बाध्यताओं, सीमाओं और विरोधाभासों का खेल है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि चाहे व्यक्ति पारिवारिक, सामाजिक, राजनीतिक या कॉरपोरेट जीवन में हो, जीवन चुनौतियों और समस्याओं से भरा है और व्यक्ति को उनका सामना करने के लिए ''जीवन जीने की कला'' को समझना चाहिए। मंत्री ने राजस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम को याद करते हुए कहा, राजनीति असंतुष्ट आत्माओं का सागर है, जहां हर व्यक्ति दुखी है... जो पार्षद बनता है वह इसलिए दुखी होता है क्योंकि उसे विधायक बनने का मौका नहीं मिला और विधायक इसलिए दुखी होता है क्योंकि उसे मंत्री पद नहीं मिल सका। भाजपा नेता ने कहा, जो मंत्री बनता है वह इसलिए दुखी रहता है कि उसे अच्छा मंत्रालय नहीं मिला और वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाया तथा मुख्यमंत्री इसलिए तनाव में रहता है क्योंकि उसे नहीं पता कि कब आलाकमान उसे पद छोड़ने के लिए कह देगा। उन्होंने कहा कि जीवन में समस्याएं बड़ी चुनौतियां पेश करती हैं और उनका सामना करना तथा आगे बढ़ना ही ''जीवन जीने की कला'' है। गडकरी ने कहा कि उन्हें अपने राजनीतिक जीवन में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की आत्मकथा का एक उद्धरण याद है, जिसमें कहा गया है, कोई व्यक्ति तब खत्म नहीं होता जब वह हार जाता है। वह तब खत्म होता है जब वह हार मान लेता है। केंद्रीय मंत्री ने सुखी जीवन के लिए अच्छे मानवीय मूल्यों और संस्कारों पर जोर दिया। उन्होंने जीवन जीने और सफल होने के अपने आदर्शों तथा नियमों को साझा करते हुए ''व्यक्ति, पार्टी और पार्टी दर्शन'' के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

बिहार में अनियमितता को लेकर स्वास्थ्य अधिकारी भर्ती परीक्षा रद्द, 37 लोग गिरफ्तार

पटना/भाषा। बिहार सरकार ने सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी भर्ती परीक्षा को अनियमितता की रिपोर्ट मिलने के बाद सोमवार को रद्द कर दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने यहां तीन केंद्रों पर ऑनलाइन परीक्षा के दौरान बड़े पैमाने पर ‘अनियमितता बरते जाने और कदाचार’ का पता लगाया है।

यह परीक्षा रविवार को पटना स्थित 12 ऑनलाइन केंद्रों पर आयोजित की गई थी।

उप महानिरीक्षक (ईओयू) मानवजीत सिंह ढिल्लों ने संवाददाताओं से कहा, पुलिस ने इस मामले में 37 लोगों को गिरफ्तार भी किया है, जिसमें अभ्यर्थी, परीक्षा केंद्र के मालिक और कर्मचारी और आईटी प्रबंधक शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों के कब्जे से कई इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल उपकरण, लैपटॉप, मोबाइल फोन, एटीएम और क्रेडिट कार्ड और आधार कार्ड बरामद किए गए।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए ईओयू और पटना पुलिस के अधिकारियों ने रविवार को संयुक्त रूप से पटना के तीन परीक्षा केंद्रों पर छापेमारी की। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए रविवार से शुरू हुई ऑनलाइन भर्ती परीक्षा सोमवार को भी आयोजित होने वाली थी। ईओयू के बयान में कहा गया, अधिकारियों ने पाया कि परीक्षा केंद्रों के कर्मचारियों ने प्रॉक्सी सर्वर और रिमोट व्यूइंग एप्लिकेशन के माध्यम से प्रश्न हल करने वाले गिरोह को कंप्यूटर सिस्टम तक अनधिकृत पहुंच प्रदान की।

अगरतला स्थित बांग्लादेश सहायक उच्चायोग में जबरन प्रवेश की घटना ‘बेहद खेदजनक’: भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अगरतला स्थित बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में जबरन प्रवेश किए जाने की घटना को ''बेहद खेदजनक'' बताते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में वाणिज्य दूतावास की संपत्तियों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब बांग्लादेश में आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार किए जाने तथा वहां अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के विरोध में हजारों लोगों ने त्रिपुरा स्थित बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग के आसपास एक विशाल रैली निकाली थी।

अगरतला स्थित बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग के परिसर में कथित तौर पर 50 से अधिक प्रदर्शनकारी दाखिल हो गए, जिससे वहां मौजूद लोग घबरा गए। विदेश मंत्रालय ने कहा, अगरतला में स्थित बांग्लादेश सहायक उच्चायोग के परिसर में आज जबरन प्रवेश किए जाने की घटना बेहद खेदजनक है। इसमें कहा गया कि सरकार नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग तथा भारत में स्थित अन्य उच्चायोग की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कार्रवाई कर रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा, किसी भी स्थिति में राजनयिक और वाणिज्य दूतावास की संपत्तियों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

इसमें कहा गया, सरकार नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग और देश में उसके उप/सहायक उच्चायोगों की सुरक्षा-व्यवस्था बढ़ाए जाने के लिए कार्रवाई कर रही है। भारत ने बांग्लादेश में उग्र बयानबाजी और हिंसा की बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि अंतरिम सरकार को सभी अल्पसंख्यकों की रक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

भारत ने यह भी आशा व्यक्त की कि बांग्लादेश में राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास से संबंधित मामले को न्यायसंगत, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से निपटाया जाएगा। बांग्लादेश में अगस्त में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। बाद में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार गठित होने के बाद भारत और बांग्लादेश के संबंधों में तनाव पैदा हो गया।

उत्तरप्रदेश : काशी विश्वनाथ ट्रेन पर पथराव करने वालों की तलाश शुरू

बरेली (उप्र)/भाषा। दिल्ली से वाराणसी जा रही काशी विश्वनाथ ट्रेन पर फतेहगंज पश्चिम के आगे धनेटा हाल्ट के पास शनिवार शाम हुए पथराव में ट्रेन के एक कोच के शीशे टूट गए। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे पुलिस बल ने पथराव करने वाले लोगों की तलाश शुरू कर दी है।

बरेली आरपीएफ के थाना प्रभारी अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि शनिवार को घटी इस घटना की प्राथमिकी रामपुर में दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि इस घटना में एक कोच के शीशे टूटे, हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ।

सिंह ने बताया कि आरपीएफ ने बरेली जंक्शन से चंदौसी, मुरादाबाद, शाहजहांपुर की ओर रेलवे लाइन के किनारे वाले गांवों में तलाशी अभियान सोमवार से शुरू किया है और जल्द ही पथराव करने वालों की पहचान की जाएगी। उन्होंने बताया कि ट्रेन नंबर 15128 काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस धनेटा हाल्ट पर पहुंची तो कुछ लोग ट्रेन पर पत्थर फेंकने लगे। पत्थर लगने से कोच बी-1 का शीशा चटक गया। पथराव से यात्रियों में दहशत फैल गई।

‘नौसेना के लिए 26 राफेल-एम जेट, तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बी की खरीद को लेकर अगले महीने समझौते की उम्मीद’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने सोमवार को कहा कि भारत अगले महीने 26 राफेल लड़ाकू विमानों के नौसैनिक संस्करण और तीन अतिरिक्त स्कॉर्पीन पनडुब्बी की खरीद के लिए अलग-अलग अनुबंधों पर हस्ताक्षर कर सकता है। उन्होंने कहा कि चीन और पाकिस्तान की नौसेनाओं की गतिविधियों पर करीबी नजर रखी जा रही है। नौसेना दिवस से पहले मीडिया से बातचीत में एडमिरल त्रिपाठी ने यह भी कहा कि सरकार ने दो एसएसएन (परमाणु ऊर्जा चालित पनडुब्बियों) के लिए मंजूरी दे दी है और ऐसी छह नौकाएं बनाने की योजना है।

नौसेना दिवस चार दिसंबर को मनाया जाता है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि पहला एसएसएन 2036-37 तक और दूसरा 2038-39 तक तैयार हो जाएगा। उन्होंने कहा, राफेल मरीन पर बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है और यह सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडल समिति के पास ले जाए जाने से बस एक चरण पीछे है। चूंकि यह दोनों देशों की सरकार के बीच का समझौता है, इसलिए इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा। पिछले साल जुलाई में रक्षा मंत्रालय ने फ्रांस से राफेल-एम जेट विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर तैनाती के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इस महीने नहीं तो अगले महीने इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा। दोनों (स्कॉर्पीन पनडुब्बी) और राफेल-एम (परियोजना) पर हस्ताक्षर हो जाने चाहिए। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, हम पीएलए (चीनी) नौसेना, उनके युद्धपोतों और उनके अनुसंधान जहाजों सहित क्षेत्र से बाहर की ताकतों पर नजर रख रहे हैं और जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं और कहां हैं। नौसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि देश की नौसैन्य क्षमता को बढ़ाने के प्रयासों के तहत वर्तमान में 62 जहाज और एक पनडुब्बी का निर्माण कार्य जारी है। चीन द्वारा पाकिस्तान की समुद्री ताकत बढ़ाने में मदद के बारे में नौसेना प्रमुख ने कहा कि इससे पता चलता है कि चीन पाकिस्तान को सैन्य रूप से मजबूत बनाने में दिलचस्पी रखता है।

शुभेंदु ने बंगाल से बांग्लादेश को निर्यात पूरी तरह से निलंबित करने की धमकी दी

पेट्रापोल (बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बांग्लादेश में मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को धमकी दी कि यदि पड़ोसी देश अल्पसंख्यक हिंदुओं और उनके संस्थानों पर लगातार जारी हमलों को रोकने में विफल रहा तो राज्य से सड़क मार्ग के जरिये बांग्लादेश को किए जाने वाले ‘निर्यात’ पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। उत्तर 24 परगना जिले में पेट्रापोल अंतरराष्ट्रीय भूमि सीमा पर भिक्षुओं के एक अराजनीतिक संगठन, अखिल भारतीय संत समिति द्वारा आयोजित एक विरोध बैठक में शुभेंदु ने घोषणा की कि ‘बांग्लादेश के लिए व्यापार प्रतिबंधों को चरणबद्ध तरीके से कड़ा किया जाएगा, जिससे भारत से बांग्लादेश में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की व्यवस्था चरमरा जाएगी। इस बैठक में अधिकारी ने जिले के कई अन्य भाजपा नेताओं के साथ भाग लिया। पड़ोसी देश में भारतीयों और अल्पसंख्यक हिंदुओं के कथित उत्पीड़न के विरोध में पेट्रापोल सीमा पर वस्तुओं का व्यापार सोमवार सुबह छह बजे से 24 घंटे के लिए निलंबित रहा। सीमा पर व्यापारियों ने व्यापार बंद करने के आह्वान का जवाब दिया। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व मुख्य रूप से बंगीय हिंदू समिति नामक संगठन ने किया। व्यापारियों ने कारोबार बंद करने के प्रदर्शनकारियों के आह्वान पर अपनी प्रतिक्रिया दी। अधिकारी ने कहा, व्यापार पर 24 घंटे का निलंबन सिर्फ इस बात का एक ट्रेलर (बानगी) है कि आगे क्या होने वाला है। उन्होंने कहा, अगर अगले हफ्ते तक हिंदुओं और उनके धार्मिक प्रतिष्ठानों पर हमले नहीं रुके तो हम पांच दिन का व्यापार प्रतिबंध लगा देंगे। अगले साल की शुरुआत के बाद हम अनिश्चित काल के लिए व्यापार बंद कर देंगे, हम देखेंगे कि वहां के लोग हमारे आलू और प्याज के बिना कैसे रहते हैं। ‘इस्कॉन’ से जुड़े पूर्व संत चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई और हिंदू अल्पसंख्यकों और उनके संस्थानों पर हमलों और उत्पीड़न को तत्काल रोकने की मांग को लेकर यह विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था।

अगले ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की जीत महत्वपूर्ण : रानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रोहतक/भाषा। पूर्व कप्तान रानी रामपाल का मानना है कि भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि यह लॉस एंजिल्स में होने वाले अगले ओलंपिक खेलों के लिए उसकी तैयारी की शुरुआत है।

भारतीय महिला हॉकी टीम इस पूरे साल संघर्ष करती रही और वह पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही। भारतीय टीम हालांकि हाल में अपना तीसरा एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीतने में सफल रही। रानी ने पीटीआई से कहा, एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की जीत हमारी महिला हॉकी टीम के लिए तैयारी के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है। इससे उसने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारी की शुरुआत कर दी है। यह अच्छी शुरुआत है। कोच हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी।

इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने हॉकी से संन्यास ले लिया था। इससे पहले उन्हें भारत की सब जूनियर महिला टीम का कोच नियुक्त किया गया था। रानी ने कहा, सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ काम करने का मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा और मैंने इससे काफी कुछ सीखा। वे युवा लड़कियां थीं जो मेरे जैसी ही पृष्ठभूमि से आती हैं। उनके मुद्दों को समझना और उनका मार्गदर्शन करना आसान था। उन्होंने कोच के तौर पर अपने अनुभव के बारे में कहा,''मैंने उनसे कहा कि अगर मैं सफल हो सकती हूं तो आप भी सफलता हासिल कर सकती हो। उन्हें मार्गदर्शन की जरूरत है और मैंने उनके साथ अपने अनुभव साझा करके उन्हें वह मार्गदर्शन देने की कोशिश की। यह पूर्व स्ट्राइकर आगामी हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिए मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में काम करेगी। इसमें पहली बार महिलाओं का टूर्नामेंट भी होगा। रानी ने 2008 में 14 साल की उम्र में ओलंपिक क्वालीफायर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था। उन्हें पता है कि एक युवा खिलाड़ी किस तरह के दबाव का अनुभव करता है।

राष्ट्रीय हित बनाम रोजगार की कमी: आबादी संबंधी भागवत की टिप्पणी पर विपक्ष, भाजपा सांसदों में तकरार

नई दिल्ली/भाषा। भारत की घटती प्रजनन दर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत द्वारा चिंता जताए जाने के एक दिन बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को उनकी टिप्पणी का स्वागत किया जबकि विपक्षी दलों ने पूछा कि बढ़ी हुई आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए संसाधन कहां से आएंगे।

विपक्षी दलों ने कहा कि खाद्य सामग्री की कीमतें अधिक हैं और सरकार लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में विफल रही है। रविवार को नागपुर में एक कार्यक्रम में भागवत ने परिवारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और आगाह किया कि जनसंख्या विज्ञान के अनुसार, अगर किसी समाज की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे गिरती है, तो वह विलुप्त हो सकता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा, इसलिए जब हम 2.1 कहते हैं, तो इसका मतलब है कि यह अधिक होना चाहिए, कम से कम तीन। (जनसंख्या) विज्ञान भी यही कहता है। उन्होंने घटती जनसंख्या वृद्धि को ''गंभीर चिंता'' बताया। भागवत की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर भाजपा नेता मनोज तिवारी ने कहा कि यह राष्ट्रीय हित में है। तिवारी ने संसद के बाहर ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा, आरएसएस एक देशभक्त संगठन है।

सिर्फ दिखावा बनकर रह गया है ‘मेक इन इंडिया’: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में गिरावट से जुड़े आंकड़े का हवाला देते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि इस सरकार में ‘मेक इन इंडिया’ सिर्फ दिखावा बनकर रह गया है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने बयान में कहा, तीन दिन पहले 2024 के जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए जारी हुए विकास दर के आंकड़ों से जीडीपी विकास दर में निराशाजनक गिरावट का खुलासा हुआ। उतना ही ध्यान देने योग्य और चिंताजनक विनिर्माण वृद्धि दर गिरकर आश्चर्यजनक रूप से 2.2% पर आना भी है। निर्यात वृद्धि दर भी गिरकर 2.8 प्रतिशत पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि ये डेटा भारत को विनिर्माण निर्यात के लिए एक नया वैश्विक केंद्र बनाने के प्रधानमंत्री के एक दशक पुराने वादे की निराशाजनक वास्तविकता को सामने लाते हैं। रमेश ने दावा किया, यह दुर्भाग्यपूर्ण वास्तविकता है कि सरकार की प्रमुख योजनाओं में से एक मेक इन इंडिया के शुरू होने के दस साल बाद भी भारत का विनिर्माण लगभग स्थिर है और हमारा निर्यात लड़खड़ा रहा है।

वक्फ विधेयक के बहाने केंद्र मुसलमानों को निशाना बना रहा : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर सोमवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर मुसलमानों को निशाना बनाने का आरोप लगाया और संसद में इसके पारित होने पर संदेह जताया। विधेयक के विरोध में एक प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विधानसभा में ममता ने आरोप लगाया कि केंद्र ने इस विषय पर राज्य सरकारों की अनदेखी की है। उन्होंने कहा, केंद्र ने वक्फ विधेयक पर हमसे परामर्श नहीं किया।

ममता ने विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति में विपक्षी सदस्यों को बोलने नहीं देने को लेकर भी भाजपा की आलोचना की। मुख्यमंत्री ने दावा किया, जेपीसी में, विपक्षी सदस्यों को बोलने नहीं दिया गया। यही कारण है कि उन्होंने इसका बहिष्कार किया। उन्होंने केंद्र पर मुसलमानों को निशाना बनाते हुए ''विभाजनकारी एजेंडा'' को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। ममता ने कहा, इस वक्फ (संशोधन) विधेयक के नाम पर एक ही धर्म को क्यों निशाना बनाया जा रहा है? मुसलमानों को क्यों निशाना बनाया जा रहा है?

असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस ने म्यांमार सीमा के पास प्रतिबंधित ‘मेथ’ की गोलियां जब्त कीं

आइजोल/भाषा। मिजोरम के चम्फाई जिले में असम राइफल्स ने (मिजोरम) पुलिस के साथ मिलकर सोमवार को भारत-म्यांमार सीमा के समीप प्रतिबंधित ‘मेथामफेटामाइन’ (मेथ) की गोलियां जब्त कीं जिसकी कीमत करीब 68 करोड़ रुपए आंकी गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक खुफिया जानकारी के आधार पर असम राइफल्स और पुलिस ने संयुक्त रूप से जोखावथर गांव में एक अभियान चलाया और 22.6 किलोग्राम प्रतिबंधित गोलियां बरामद कीं। मेथमफेटामाइन एक अत्यधिक नशे वाला मादक पदार्थ है जो केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान संयुक्त टीम को एक व्यक्ति भूरे रंग की बोरी लेकर तियाउ नदी पार करते नजर आया।

भारत कप्तान रोहित शर्मा ने प्रशंसक का ऑटोग्राफ का 10 साल का इंतजार खत्म किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कैनबरा/भाषा। रोहित शर्मा के एक उत्साही प्रशंसक ने मनुका ओवल में प्रवेश किया, कई बार उनका नाम पुकारा और फिर भारतीय कप्तान का ध्यान आकर्षित करने के लिए ‘मुंबई चा राजा’ (मुंबई का राजा) का नारा लगाया और फिर उनका ऑटोग्राफ लिया जिसका उसे 10 साल से इंतजार था।

प्रशंसक की सारी मेहनत और रणनीति सार्थक साबित हुई क्योंकि मुस्कुराते हुए रोहित ने रविवार को

यहां प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच में भारत की आसान जीत के बाद उसका ‘दशक पुराना’ इंतजार खत्म करते हुए उसे ऑटोग्राफ दिया। प्रशंसक ने स्टैंड से गुहार लगाते हुए कहा, रोहित भाई प्लीज, 10 साल हो गए यार। रोहित भाई मुंबई चा राजा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी इस पर ध्यान दिया। बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया पेज पर इस वीडियो को साझा किया, अंततः एक दशक पुराना इंतजार खत्म हुआ। एक प्रशंसक ने रोहित शर्मा का ऑटोग्राफ लेने के लिए 10 साल इंतजार किया और कल उसका भाग्यशाली दिन था। बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए वीडियो में रोहित प्रशंसकों से बातचीत करते हुए तथा बल्ले और जर्सी पर ऑटोग्राफ देते हुए दिखाई दे रहे थे जब तक कि इस प्रशंसक ने स्टेडियम में मौजूद सभी का ध्यान अपनी ओर नहीं खींच लिया। भारत ने अभ्यास मैच में प्रधानमंत्री एकादश को छह विकेट से हराया। खराब मौसम के कारण यह मुकाबला प्रति टीम 46 ओवर का हो गया था। रोहित ने मैच में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की और सिर्फ तीन रन बनाकर आउट हो गए।

अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट से बाहर रहने वाले रोहित शुक्रवार से एडीलेड में शुरू होने वाले दूसरे मैच में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे।

पर्थ में पहले मैच में मेजबान टीम को 295 रन से हराने के बाद भारत श्रृंखला में 1-0 से आगे है। रोहित की अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टीम की अगुआई की थी।

जसप्रीत बुमराह में अच्छा कप्तान बनने के सभी गुण हैं : चेतेश्वर पुजारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्टार बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह में अच्छा कप्तान बनने के सभी गुण मौजूद हैं और भारत को रोहित शर्मा के इस पद से हटने के बाद उन्हें कप्तानी के दीर्घकालिक विकल्प के रूप में देखना चाहिए। बुमराह ने रोहित की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में अपने नेतृत्वकौशल का अच्छा नमूना पेश किया था और भारत को बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

पुजारा ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से कहा,''' इसमें कोई संदेह नहीं कि वह (दीर्घकालिक कप्तानी का व्यवहारिक विकल्प) हैं। भारत जब घरेलू धरती पर श्रृंखला में करारी हार झेलने के बाद ऑस्ट्रेलिया में पहला टेस्ट मैच खेल रहा था तब इन मुश्किल

परिस्थितियों में उन्होंने अपने नेतृत्वकौशल की शानदार बानगी पेश की।

उन्होंने कहा,''मेरा मानना है कि उनमें टीम का नेतृत्व करने की क्षमता है और वह एक टीम मैन हैं। आप उन्हें देखिए, वह कभी भी केवल अपने बारे में बात नहीं करते, वह टीम और अन्य खिलाड़ियों के बारे में बात करते हैं। भारत को न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू श्रृंखला में 0-3 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे लगातार तीसरी बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने की उसकी उम्मीदों को भी काफी झटका लगा।

सुविचार

बड़ी चालाक होती है ये ज़िदगी हमारी.. रोज नया कल देकर उम्र छिनती रहती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह 'अंतर' समझें महबूबा मुफ्ती

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न की तुलना भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति से कर लोगों के बीच गलत संदेश का प्रसार कर रही हैं। ऐसा बयान लोगों को भ्रम में डाल सकता है। भारत में ऐसी स्थिति कहां है? क्या महबूबा मुफ्ती नहीं जानतीं कि पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश में क्या हुआ और अभी क्या हो रहा है? भारत के सामुदायिक सद्भाव की मिसाल दी जाती है। यहां कुछ समस्याएं जरूर हैं। उनके होने से इन्कार नहीं किया जा सकता। बेशक भारत में भी कुछ खुराफाती तत्त्व हैं, जिन्हें देश में शांति एवं सद्भाव नहीं सुहाते। वे हमेशा रंग में भंग डालने की कोशिशें करते रहते हैं, लेकिन इस देश के बहुसंख्यक लोगों ने ऐसे तत्त्वों को कभी हावी नहीं होने दिया। जबकि बांग्लादेश में तो महीनों से हुड़दंग मचा हुआ है। महबूबा मुफ्ती को यह अंतर समझना होगा। भारत में हर धर्म के लोग बहुत प्रेम से रहते हैं। इतनी ज्यादा विविधता वाले देश को चलाना कोई मामूली बात नहीं है। यहां होली, दीपावली, ईद, क्रिसमस समेत सभी त्योहार मिल-जुलकर मनाए जाते हैं, क्योंकि लोग एक-दूसरे के लिए नेक भावनाएं रखते हैं। कई इलाके तो ऐसे हैं, जहां अलग-अलग समुदायों के पूजन स्थल एक-दूसरे के निकट स्थित हैं। वहां लोग सदियों से आरती, इबादत, प्रेयर, अरदास कर रहे हैं। आज तक किसी को कोई समस्या नहीं हुई। ऐसे में बांग्लादेश के हालात से जोड़कर कोई बयान देना हकीकत से परे है। इस पड़ोसी देश में लूट-मार जोरों पर हैं। शेख हसीना के समर्थकों को उनकी राजनीतिक विचारधारा के कारण निशाना बनाया जा रहा है, जिनमें कई लोगों की तो हत्याएं कर दी गईं। वहीं, हिंदुओं का उत्पीड़न जोर-शोर से जारी है। बांग्लादेश का अल्पसंख्यक समुदाय अपने प्राण बचाने के लिए पलायन करने को मजबूर है। महबूबा मुफ्ती किस बात को कहां जोड़ रही हैं?

क्या जम्मू-कश्मीर की इन पूर्व मुख्यमंत्री को नब्बे के दशक का वह दौर याद नहीं जब कश्मीरी पंडितों को अपने ही देश में 'शरणार्थी' बनना पड़ा था? उस दौरान कितने ही कश्मीरी पंडितों की हत्याएं कर दी गई थीं, महिलाओं के साथ अशोभनीय हरकतें की गई थीं। जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ नेताओं ने कितनी बार कश्मीरी पंडितों के लिए आवाजें उठाईं? इन्होंने कब कहा कि हमारे उन बिछड़े भाइयों-बहनों का स्वागत करेंगे, उनकी सुरक्षा हम करेंगे? कश्मीरी पंडित बहुत मेहनती और स्वाभिमानी लोग हैं। वे जन-धन की हानि के बाद फिर से संभल गए। आज वे देश-विदेश में अपनी योग्यता के बूते बड़े-बड़े पदों पर सेवारत हैं। उन्हें किसी की हमदर्दी की जरूरत नहीं है। उनके साथ अपनी मातृभूमि पर जो कुछ हुआ, उस पर बात तो होनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ नेता इस संबंध में क्या कर रहे हैं? क्या वे वोटबैंक की राजनीति से ऊपर उठकर कोई ठोस कदम उठाएंगे? महबूबा मुफ्ती ने कुछ धार्मिक स्थानों के सर्वेक्षण पर आपत्ति जताते हुए जो बयान दिया, वह भी वास्तविकता से दूर है। ये सर्वेक्षण न्यायालयों के आदेश से हो रहे हैं। बेहतर तो यह होता कि ये मामले न्यायालयों में जाते ही नहीं। हमें इस बात को स्वीकार करना होगा कि जो विदेशी आक्रांता यहां आए, उन्होंने बहुत बड़ी संख्या में मंदिरों को निशाना बनाया और लोगों पर घोर अत्याचार किए थे। आक्रांता हमारे हीरो नहीं हो सकते। उन्होंने इस देश को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक ... हर दृष्टि से बहुत हानि पहुंचाई थी। यह समय इस बात का नहीं है कि हम उन आक्रांताओं की हर गलती और गुनाह का हिसाब करते रहें। अभी तो देश में करोड़ों लोगों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचानी हैं। हर समुदाय के लोगों का कल्याण सुनिश्चित करना है। इसके लिए जरूरी है कि आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थानों के मामले बहुत आत्मीयता एवं सद्भाव के माहौल में सुलझा लिए जाएं, किसी को न्यायालय जाना ही न पड़े। श्रीराम जन्मभूमि का मामला ऐसे सुलझाया जाता तो क्या ही बात होती! हम सब भारत मां की संतानें हैं। अगर विवादों को विवेक एवं शांति से सुलझाकर अपनी ऊर्जा देश के विकास में लगाएंगे तो भविष्य को उज्ज्वल बनाएंगे।

ट्वीटर टॉक

प्रदूषण का बढ़ता स्तर हमारे पर्यावरण, स्वास्थ्य और जीवनशैली के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। आइए इस अवसर पर हम अपनी आने वाली पीढ़ी के बेहतर भविष्य के लिए प्रदूषण की रोकथाम के लिए कदम उठाने का संकल्प लें।

-गोविंद सिंह डोटासरा

भारत सरकार ने कई बार पत्र लिखकर दिल्ली सरकार से आग्रह किया कि दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू हो, लेकिन दिल्ली सरकार शराब बेचने में व्यस्त है। आयुष्मान भारत और आयुष्मान वय वंदना योजना का लाभ दिल्ली की जनता को मिलना चाहिए।

-मदन राठौड़

विनम्र, कर्मठ एवं कर्तव्यनिष्ठ नेता, राष्ट्र एवं जनसेवा को समर्पित, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपके कुशल और प्रेरक नेतृत्व में पार्टी निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रही है।

-राज्यवर्धन सिंह राठौड़

प्रेरक प्रसंग

धन और कर्म की सच्चाई

एक बार गुरु नानक देव जी घूमते हुए बगदाद जा पहुंचे। बगदाद की प्रजा ने उन्हें शासक के जुल्म की दास्तां सुनायी। वे कुछ कंकड़ एकत्र करके शाही महल के सामने जा बैठे। दरबान ने जब गुरु नानक देव जी के आने की सूचना दी तो बादशाह सुनते ही दौड़ा आया। गुरुजी के आगे कंकड़ों का ढेर लगा देख उसने पूछा, 'गुरुदेव, ये कंकड़-पत्थर किसलिए बटोरे हैं?'

भाई, तुम जानते हो कि कयामत तो आनी ही है। अतः ईश्वर को भेंट देने के लिए मैंने ये इकटठे किये हैं।' गुरुजी ने कहा। 'अरे यह क्या? मैं तो आपको ज्ञानी मानता था। पर आपको तो यही पता नहीं कि कयामत के रोज़ रूहें अपने साथ कंकड़-पत्थर तो क्या एक सूई तक नहीं ले जा सकतीं।' शासक ने तैश में आकर कहा। गुरुजी ने चुटकी लेते हुए उत्तर दिया, 'तुम प्रजा को लूटकर जो धन इकटठा कर रहे हो, जब उसे अपने साथ ले जाओगे तो ये कंकड़ भी चले जायेंगे।' यह सुनकर शासक की सारी शेखी काफूर हो गयी।

सामयिक

जलवायु परिवर्तन से जूझती महिलाएं

अमित बैजनाथ गर्ग
मोबाइल : 78770 70861

संयुक्त राष्ट्र की ओर से हाल ही में महिला आधारित एक रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2050 तक जलवायु परिवर्तन के चलते 158 मिलियन से अधिक महिलाएं और लड़कियां गरीबी की ओर जा सकती हैं। वहीं 236 मिलियन से अधिक महिलाओं और लड़कियों को खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ सकता है। एक अनुमान के अनुसार, दुनिया भर में हर साल 130 मिलियन लड़कियों को शिक्षा के मानवाधिकार से वंचित रखा जाता है और जलवायु संबंधी संकट इस दिक्कत को और अधिक बढ़ा देते हैं। ऐसे मुश्किल समय में लड़कियों की जल्दी शादी होने की संभावना अधिक होती है, क्योंकि उन्हें घर की जरूरतों में मदद करने के लिए सबसे पहले स्कूल से निकाला जाता है। जलवायु संकट, क्षमता से अधिक संसाधनों का उपभोग और अथाह वायु प्रदूषण ने जिन समस्याओं को जन्म दिया है, उनका सबसे अधिक सामना महिलाओं को ही करना पड़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते पूरी दुनिया में मां की कोख में पल रहे शिशु भी सुरक्षित नहीं है। डॉक्टरों का कहना है कि हवा में बिखरे हैवी मेटल्स मां की सांस के जरिए अजन्मे बच्चों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वायु प्रदूषण नवजातों के दिल, दिमाग और फेफड़ों के लिए घातक है। प्रदूषित वातावरण में सांस लेने पर पॉल्यूशन प्लेसेंटा को पार कर भ्रूण तक पहुंच रहा है। प्रदूषण खून के जरिए पोषक तत्वों को शिशु तक पहुंचने से रोकता है। इससे शिशु के दिमाग और फेफड़े सही से डेवलप नहीं हो पाते हैं। बच्चों में हार्ट में परेशानी, सांस की जन्मजात बीमारी, न्यूरो डेवलपमेंट पर दुष्प्रभाव, लंग्स की मैच्योरिटी पर भी असर होता है। कई बच्चों में ऑटिज्म और बौद्धिक दिव्यांगता की भी समस्या देखी गई है। चिंता की बात यह है कि गर्भावस्था की शुरुआती जांच में ही भ्रूण में प्रदूषण के कण मिल रहे हैं। लंबे समय तक अगर बच्चा इस प्रदूषण के संपर्क में रहता है, तो उसे कैंसर होने का खतरा भी बना रहता है।

चीन के गुआंगडोंग प्रांत में प्रदूषण से होने वाली प्रीमैच्योर डिलीवरी को लेकर एक शोध हुआ। इसमें शामिल 687 महिलाओं को प्रीमैच्योर डिलीवरी हुई थी और 1097 महिलाओं को कम वजन वाले बच्चे हुए थे। उनकी तुलना 1766 हेल्दी बर्थ वाली महिलाओं के साथ की गई। गौर करने वाली बात यह है कि चीन के इस प्रांत में पूरे देश के औसत से कम प्रदूषण होता है। चीन में भी उत्तर भारत की तरह सितंबर-अक्टूबर से वायु प्रदूषण बढ़ना शुरू होता है और गर्मियों में कम होता है। इस शोध में यह पता चला कि प्रेगनेंसी के पहले और आखिरी महीने में महिलाओं तथा गर्भस्थ शिशु को प्रदूषण से सबसे ज्यादा नुकसान होता है। वहीं अमेरिका में होने वाले कुल प्रीमैच्योर बर्थ में तीन फीसदी की वजह प्रदूषण होता है। ऐसे बच्चों की संख्या 16 हजार है। प्लोस मैगजीन के मुताबिक, दुनिया भर में करीब 60 लाख बच्चे

प्रदूषण की वजह से समय से पहले जन्म ले रहे हैं। इनमें से आधे बच्चे अंडरवेट यानी कम वजन के हैं।

वहीं लैंसेट की ओर से भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में वायु प्रदूषण के प्रेगनेंसी पर असर को लेकर एक स्टडी की गई थी। इसमें सामने आया कि तीनों देशों में प्रदूषण की वजह 29 प्रतिशत प्रेगनेंसी लॉस यानी गर्भपात हुआ। इसमें से अकेले 77 प्रतिशत प्रेगनेंसी लॉस भारत में हुआ, जबकि पाकिस्तान में 12 प्रतिशत और बांग्लादेश में 11 प्रतिशत मामले सामने आए। इस स्टडी में 34,197 महिलाओं को शामिल किया गया था, जिनमें से 27,480 महिलाओं ने मिसकैरेज और 6,717 स्टिल बर्थ (बच्चे की हार्ट बीट गायब होना) झेला। शोध में कहा गया कि प्रदूषण बढ़ने के साथ मानव स्वास्थ्य का खतरा भी बढ़ गया है। आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि वायु प्रदूषण महिला स्वास्थ्य के लिए दुनिया का सबसे बड़ा बाहरी खतरा बना हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि एचआईवी-एड्स, मलेरिया और टीबी के लिए हर साल बड़े वैश्विक कोष का निवेश किया जाता है, लेकिन वायु प्रदूषण के लिहाज से ऐसा नहीं है।

असल में जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर के कारण महिलाएं श्वसन एवं हृदय संबंधी समस्याओं, कैंसर और अन्य बीमारियों से जूझ रही हैं। हालांकि यह सभी को प्रभावित करता है। डॉक्टरों का कहना है कि महिलाओं को इससे कुछ अनोखी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उनमें स्तन कैंसर के मामले अधिक पाए गए हैं। वहीं लकड़ी वाले चूल्हे पर खाना पकाने जैसी गतिविधियां महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाती हैं। घर के अंदर वायु प्रदूषण सिर्फ खाना पकाने से नहीं, बल्कि हीटिंग और लाइट से भी होता है। यह वनों की कटाई और शहरीकरण से काफी बढ़ गया है। वहीं महिलाएं अपनी शारीरिक संरचना, बच्चे पैदा करने, संतुलित आहार न लेने, रसोई में अधिक समय बिताने और आर्थिक रूप से स्वतंत्र न होने के कारण अधिक प्रभावित होती हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि पिछले दो दशकों में जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण वैश्विक संकट बन गया है। यह खराब स्वास्थ्य में योगदान देने वाला प्रमुख पर्यावरणीय कारक है, जिससे दुनिया में सालाना लाखों मौतें होती हैं।

कोविड महामारी ने दर्शाया है कि आपात परिस्थितियों में स्वास्थ्य-देखभाल संसाधनों को नए खतरों से लड़ने और कम महत्वपूर्ण समझी जाने वाली सेवाओं के लिए इस्तेमाल में लाया जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के कारण आपात परिस्थितियों की आवृत्ति बढ़ती है यानी कि यौन व प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकार सेवाओं में कटौती की जा सकती है। हालांकि यौन और प्रजनन स्वास्थ्य व अधिकार सेवाएं अगर जारी रह भी पाएं, तो भी विस्थापित महिलाएं व लड़कियों के लिए वे अक्सर सुलभ नहीं होती हैं। इसकी वजह से अनचाहे गर्भधारण और यौन संचारित संक्रमणों के मामलों में वृद्धि देखी जा सकती है। चक्रवाती तूफान के बाद मोजांबिक में गर्भनिरोधक उपायों तक पहुंच न होने की वजह से प्रजनन आयु की 20 हजार से अधिक महिलाओं को अनचाहे गर्भधारण का जोखिम झेलना पड़ा। वहीं होंडुरास में प्रजनन उम्र की एक लाख 80 हजार महिलाओं के लिए परिवार नियोजन सेवाएं सुलभ नहीं थीं। जलवायु परिवर्तन के कारण फसलें बर्बाद होने से भी यौन व प्रजनन स्वास्थ्य पर असर पड़ता है।

महिलाओं और लड़कियों को जलवायु परिवर्तन से असमान रूप से प्रभावित होना पड़ता है, क्योंकि वे दुनिया के अधिकांश गरीबों में से हैं, जो अपनी आजीविका के लिए स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक निर्भर हैं। ग्रामीण इलाकों में महिलाएं और लड़कियां अक्सर अपने परिवारों के लिए भोजन, पानी और लकड़ी जुटाने के लिए जिम्मेदार होती हैं। सूखे और अनियमित वर्षा के समय ग्रामीण महिलाएं अधिक मेहनत करती हैं, अधिक दूर तक चलती हैं और अपने परिवारों के लिए आय और संसाधन जुटाने में अधिक समय बिताती हैं। यह उन्हें लिंग आधारित हिंसा के बढ़ते जोखिम के प्रति भी उजागर करता है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन मौजूदा संघर्षों, असमानताओं और कमजोरियों को बढ़ाता है।

महिलाओं और लड़कियों को जलवायु परिवर्तन से असमान रूप से प्रभावित होना पड़ता है, क्योंकि वे दुनिया के अधिकांश गरीबों में से हैं, जो अपनी आजीविका के लिए स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक निर्भर हैं। ग्रामीण इलाकों में महिलाएं और लड़कियां अक्सर अपने परिवारों के लिए भोजन, पानी और लकड़ी जुटाने के लिए जिम्मेदार होती हैं। सूखे और अनियमित वर्षा के समय ग्रामीण महिलाएं अधिक मेहनत करती हैं, अधिक दूर तक चलती हैं और अपने परिवारों के लिए आय और संसाधन जुटाने में अधिक समय बिताती हैं। यह उन्हें लिंग आधारित हिंसा के बढ़ते जोखिम के प्रति भी उजागर करता है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन मौजूदा संघर्षों, असमानताओं और कमजोरियों को बढ़ाता है। मौसम संबंधी आपदाएं महिलाओं और बच्चों की मृत्यु की संभावना पुरुषों की तुलना में 14 गुना अधिक बढ़ाती हैं। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से विस्थापित होने वाले पांच में से चार लोग महिलाएं और लड़कियां हैं। ये आपदाएं यौन और प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सहित आवश्यक सेवाओं को भी बाधित करती हैं, जिससे महिलाओं और लड़कियों पर नकारात्मक प्रभाव और भी बढ़ जाता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण विस्थापित होने वालों में 80 फीसदी महिलाएं या लड़कियां हैं, जो सुरक्षित स्थानों पर जाने के कारण गरीबी, हिंसा या अनपेक्षित गर्भधारण के बढ़ते जोखिम का सामना कर रही हैं। महिलाओं का स्वास्थ्य बढ़ते तापमान से सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। वायु प्रदूषण और गर्मी के संपर्क में आने से समय से पहले बच्चे का जन्म, कम वजन वाले बच्चे, खराब मातृ स्वास्थ्य और गर्भावस्था के दौरान जटिलताओं का महिलाओं को सामना करना पड़ता हैं। यह प्रसव पूर्व मातृ तनाव को बढ़ाता है, जबकि स्तन के दूध में भारी धातुएं नवजात शिशुओं में एलर्जी और तंत्रिका संबंधी विकारों से जुड़ी हुई हैं। असल में जलवायु परिवर्तन का महिलाओं पर गहरे तक पड़ने वाला प्रभाव एक संवेदनशील मुद्दा है। इस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। जागरुकता फैलाने, शिक्षा और स्वास्थ्य की पहुंच प्रदान करने, आर्थिक अवसर प्रदान करने और प्रभावी नीतियों को लागू करके हम महिलाओं और लड़कियों को शक्ति प्रदान कर सकते हैं, ताकि वे जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें और अपने जीवन को बेहतर बना सकें।

नजरिया

दिव्यांगो को मिले बराबरी का अधिकार

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1992 में हर वर्ष 3 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस के रूप में मनाने घोषणा की गयी। इसका उद्देश्य समाज के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों को बढ़ावा देना और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में दिव्यांग लोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। मगर आज भी लोगों को तो इस बात का भी पता ही नहीं होता है कि हमारे आस-पास कितने दिव्यांग रहतें हैं। उन्हे समाज में बराबरी का अधिकार मिल रहा है कि नहीं। किसी को इस बात की कोई फिकर नहीं हैं।

समाज में दिव्यांगता को एक सामाजिक कलंक के रूप में देखा जाता है। जिसे सुधारने की आवश्यकता है। इस वर्ष का विषय समावेशी और टिकाऊ भविष्य के लिए विकलांग व्यक्तियों के नेतृत्व को बढ़ावा देना विकलांग व्यक्तियों को अपने भाग्य को आकार देने और समाज में योगदान देने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित करता है।

सरकार द्वारा देश में दिव्यांगों के लिए कई नीतियां बनायी गयी है। उन्हें सरकारी नौकरियों, अस्पताल, रेल, बस सभी जगह आरक्षण प्राप्त है। दिव्यांगो के लिए सरकार ने पेंशन की योजना भी चला रखी है। लेकिन ये सभी सरकारी योजनाएं उन दिव्यांगो के लिए महज एक मजाक बनकर रह गयी हैं। जब इनके पास इन सुविधाओं को हासिल करने के लिए दिव्यांगता का प्रमाणपत्र ही नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास 'एक दिव्य क्षमता' है और उनके लिए 'विकलांग' शब्द की जगह 'दिव्यांग' शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। जिसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हे हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। आज भी समाज के लोगों द्वारा दिव्यांगों को दयनीय दृष्टि से ही देखा जाता है। भले ही देश में अनेको दिव्यांगों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया हो मगर लोगों का उनके प्रति वहीं पुराना नजरिया बरकरार है।

दुनिया में अनेकों ऐसे उदाहरण मिलेंगे जो बताते है कि सही राह मिल जाये तो अभाव एक विशेषता बनकर सबको चमत्कृत कर देती है। भारत में दिव्यांगों की मदद के लिए बहुत सी सरकारी योजनाएं संचालित हो रही हैं। लेकिन इतने वर्षो बाद भी देश में आज तक आधे दिव्यांगो को ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र मुहैया कराया जा सका है। ऐसे में दिव्यांगो के लिए सरकारी सुविधाएं हासिल करना महज मजाक बनकर रह गया हैं। दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग हुए हैं जिन्होंने अपने साहस संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। सिख राज्य की स्थापना करने वाले महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन के दाई टांग नहीं थी। फिल्मी गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूकबधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार व जयपुर के सुन्दर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि भारत में दिव्यांग आज भी अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर आश्रित है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अनुमान के अनुसार विश्व स्तर पर 15 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ रहती है। जबकि उसमें से 80 प्रतिशत से अधिक लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। जबकि भारत में 140 करोड़ से अधिक लोग है। इस आबादी का 2.2 प्रतिशत से अधिक लोग किसी न किसी रूप में गंभीर मानसिक या शारीरिक विकलांगता से पीड़ित हैं। आज के प्रगतिशील युग में जहाँ सभी लोगों के एकीकरण और समावेशन पर सतत विकास के प्रवेश द्वार के रूप में जोर दिया जाता है। भारत में विकलांग लोगों को वर्गीकृत करने वाले मानदंडों की सूची को 2016 में नया रूप दिया गया था। 2016 के आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम पर आधारित संशोधित परिभाषा में एसिड हमलों से संबंधित शारीरिक विकृति और चोटों को विकलांगता के रूप में मान्यता देना भी शामिल है। जो इन पीड़ितों को विभिन्न प्रकार की सरकारी सहायता और समर्थन का हकदार बनाता है । विकलांगों के अधिकारों के लिए काम कर रहे संगठन नेशनल प्लेटफॉर्म फॉर द राइटस ऑफ डिसएबिल्ड ने प्रधानमंत्री मोदी के दिव्यांग शब्द पर उनको पत्र लिखकर कहा कि था कि केवल शब्द बदलने मात्र से ही विकलांगों के साथ होने वाले व्यवहार के तौर तरीके में कोई बदलाव नहीं आएगा। सबसे बड़ी जरुरत है विकलांगों से जुड़े अपयश, भेदभाव और हाशिए पर डालने के मुद्दों पर ध्यान देने की है। ताकि वो देश की राजनीति के साथ साथ आर्थिक, सामाजिक विकास में बेहतर भागीदारी कर सकें। भारत में आज भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है। सरकारी कार्यालयों और अस्पतालों के कई दिनों तक चक्कर लगाने के बाद भी लोगों को मायूस होना पड़ता है। हालांकि सरकारी दावे कहते हैं कि इस प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है, लेकिन हकीकत इससे काफी दूर नजर आती है। दिव्यांगता का प्रमाणपत्र जारी करने के सरकार ने जो मापदण्ड बनाये हैं। अधिकांश सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक उनके अनुसार दिव्यांगो को दिव्यांग होने का प्रमाण पत्र जारी ही नहीं करते है। जिसके चलते दिव्यांग व्यक्ति सरकारी सुविधायें पाने से वचिंत रह जाते हैं। देश में दिव्यांगों को दी जाने वाली सुविधाएं कागजों तक सिमटी हुई हैं। अन्य देशों की तुलना में हमारे यहां दिव्यांगों को एक चौथाई सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही है। केन्द्र सरकार ने देशभर के दिव्यांग युवाओं को केन्द्र सरकार में सीधी भर्ती वाली सेवाओं के मामले में दृष्टि बाधित, बधिर और चलने-फिरने में दिव्यांगता या सेरेब्रल पल्सी के शिकार लोगों को उम्र में 10 साल की छूट देकर एक सकारात्मक कदम उठाया है। दिव्यांगता शारीरिक अथवा मानसिक हो सकती है किन्तु सबसे बड़ी दिव्यांगता हमारे समाज की उस सोच में है जो दिव्यांग जनों से हीन भाव रखती है। जिसके कारण एक असक्षम व्यक्ति असहज महसूस करता है। आधुनिक होने का दावा करने वाला हमारा समाज अब तक दिव्यांगों के प्रति अपनी बुनियादी सोच में कोई खास परिवर्तन नहीं ला पाया है। अधिकतर लोगों के मन में दिव्यांगों के प्रति तिरस्कार या दया भाव ही रहता है। ऐसे भाव दिव्यांगो के स्वाभिमान पर चोट करते हैं। भारत में दिव्यांगो की इतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद इनकी परेशानियों को समझने और उन्हें जरूरी सहयोग देने में सरकार और समाज दोनों नाकाम दिखाई देते हैं।

अब दिव्यांग लोगों के प्रति अपनी सोच को बदलने का समय आ गया है। दिव्यांगो को समाज की मुख्यधारा में तभी शामिल किया जा सकता है जब समाज इन्हें अपना हिस्सा समझे। इसके लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान की जरूरत है। हाल के वर्षों में दिव्यांगों के प्रति सरकार की कोशिशों में तेजी आयी है। दिव्यांगों को कुछ न्यूनतम सुविधाएं देने के लिए प्रयास हो रहे हैं। हालांकि योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर सरकार पर सवाल उठते रहे हैं। पिछले दिनों क्रियान्वयन की सुस्त चाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फटकार भी लगायी थी। दिव्यांगो को शिक्षा से जोडना बहुत जरूरी है। मूक-बधिरों के लिए विशेष स्कूलों का अभाव है। जिसकी वजह से अधिकांश विकलांग ठीक से पढ़-लिखकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते हैं।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हिंदू आध्यात्मिक नेता की रिहाई को लेकर साधु-संतों ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर विरोध प्रदर्शन किया

दास की रिहाई की मांग कर रहा है और पड़ोसी देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त की है। हिंदू आध्यात्मिक नेता दास को बांग्लादेश में राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। समूचे पश्चिम बंगाल से 1,000 से अधिक साधु–संत बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों के विरोध में और पड़ोसी देश में गिरफ्तार आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग को लेकर सोमवार को उत्तर 24 परगना में पेट्रापोल सीमा पर एक प्रदर्शन में भाग ले रहे हैं।

अखिल भारतीय संत समिति के बैनर तले साधु संत सुबह से ही पेट्रापोल सीमा चौकी से करीब 800 मीटर दूर धरना स्थल पर पहुंचने लगे। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के नेताओं ने बांग्लादेश मुद्दे को लेकर बुधवार को पेट्रापोल सीमा पर प्रदर्शन कार्यक्रम की भी घोषणा की है। 'हिंदू जागरण मंच' और अन्य धार्मिक समूहों के सदस्यों के भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की संभावना है।

पेट्रापोल सीमा पर पहुंचने के बाद एक भिक्षु ने कहा, हम मानव श्रृंखला बनाकर भारत सरकार और बांग्लादेश सरकार को शांति का संदेश देने के लिए विरोध प्रदर्शन करेंगे तथा बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचारों को तत्काल रोकने की मांग करेंगे। अखिल भारतीय संत समिति की बंगाल शाखा के अध्यक्ष स्वामी परमात्मानंद ने रविवार को कहा था कि पेट्रापोल सीमा पर आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक बांग्लादेश सरकार हिंदुओं और मंदिरों पर हमले रोकने के लिए कार्रवाई नहीं करती।

इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) पिछले कुछ दिनों से कोलकाता के अल्बर्ट रोड स्थित अपने केंद्र में प्रार्थना सभाओं और कीर्तनों का आयोजन कर रहा है।

समूह दास की रिहाई की मांग कर रहा है और पड़ोसी देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त की है। हिंदू आध्यात्मिक नेता दास को बांग्लादेश में राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद समुदाय के लोगों ने राजधानी ढाका और बंदरगाह शहर चटगांव सहित कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सुनवाई

सुखबीर सिंह बादल और पिछली अकाली सरकार के अन्य नेता अमृतसर में अकाल तख्त द्वारा 'तनखैया' (धार्मिक दुराचार का दोषी) मामले की सुनवाई के दौरान।

ट्रंप की ब्रिक्स देशों पर 100 प्रतिशत शुल्क की धमकी के मायने अभी अस्पष्ट : दुव्वुरी सुब्बाराव

हैदराबाद/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर दुव्वुरी सुब्बाराव ने सोमवार को कहा कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ब्रिक्स देशों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी के मायने अभी स्पष्ट नहीं है क्योंकि अभी यह देखना बाकी है कि अमेरिकी कानून इस तरह की कार्रवाई की अनुमति देता है या नहीं।

ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को अमेरिकी डॉलर में व्यापार न करने पर उन देशों से आयात पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है।

सुब्बाराव ने कहा कि ब्रिक्स के लिए भी अमेरिकी डॉलर का विकल्प लाने के बारे में आंतरिक मतभेद हैं। भारत, रूस, चीन और ब्राजील सहित नौ सदस्यों वाले समूह द्वारा अमेरिकी मुद्रा से परे कोई अन्य मुद्रा अपनाने का प्रयास राजनीति और आर्थिक दोनों कारणों से अभी तक

सफल नहीं हो पाया है। दुव्वुरी सुब्बाराव ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, डोनाल्ड ट्रंप ने डॉलर को छोड़ने की कोशिश करने वाले देशों से आयात पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी है। उनका गुस्सा खास तौर पर ब्रिक्स पर था जो डॉलर के विकल्प को तलाशने के लिए सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। ट्रंप कोई कदम उठाने से अधिक, बातें बनाने के लिए जाने जाते हैं। आरबीआई के पूर्व प्रमुख ने पूछा, इस धमकी के मायने स्पष्ट नहीं हैं। अमेरिका यह निर्धारित करने के लिए किस पैमाने का इस्तेमाल करेगा कि कोई देश डॉलर के अलावा किसी अन्य मुद्रा में व्यापार न करें? और क्या अमेरिकी कानून केवल इसलिए देशों पर प्रतिबंध लगाने की अनुमति देता है क्योंकि वे डॉलर से परे किसी अन्य मुद्रा का चयन कर रहे हैं?''

ब्रिक्स का गठन 2009 में किया गया था। यह एकमात्र ऐसा प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समूह है जिसका अमेरिका हिस्सा नहीं है। भारत, रूस, चीन, ब्राजील दक्षिण अफ्रीका, ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात इसके सदस्य हैं।

इसके कुछ सदस्य देश खासकर रूस और चीन पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी डॉलर का विकल्प या अपनी खुद की ब्रिक्स मुद्रा बनाने पर विचार कर रहे हैं। भारत अभी तक इस कदम का हिस्सा नहीं रहा है।

बाइडन ने अपने बेटे हंटर को माफी दी, कहा- आरोप राजनीति से प्रेरित थे

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने बेटे हंटर बाइडन के लिए रविवार को ''एक पूर्ण एवं बिना शर्त माफी'' जारी करते हुए कहा कि उन्हें सिर्फ इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह उनके बेटे हैं।

बाइडन ने रविवार रात को एक बयान में कहा, अपने पूरे करियर में मैंने एक ही सिद्धांत का पालन किया है: अमेरिकी लोगों को सच बताएं। वे निष्पक्ष होकर सोचेंगे। सच यह है कि मैं न्याय प्रणाली में विश्वास करता हूं, लेकिन मैं इससे जूझ चुका हूं और मुझे यह भी लगता है कि अनुभवहीन राजनीति ने इस प्रक्रिया को संक्रमित कर दिया है जिससे न्याय का उपहास हुआ है। मैंने इस सप्ताहांत इस आशय का निर्णय लिया, ऐसे में इसमें देरी करने का कोई मतलब नहीं था।

बाइडन ने अपने परिवार के सदस्यों के लाभ के लिए राष्ट्रपति पद की असाधारण शक्तियों का उपयोग नहीं करने के अपने पिछले वादों को पलटते हुए, रविवार रात बेटे हंटर को माफ कर दिया, जिससे वह संघीय गुंडागर्दी बंदूक और कर दोषों के लिए संभावित जेल की सजा से बच गए। हंटर बाइडन को इस वर्ष की शुरुआत में संघीय बंदूक और कर आरोपों में दोषी ठहराया गया था तथा उन्हें जल्द कैलिफोर्निया के डेलन में पेश होना था, जहां उन्हें लंबी, जेल की सजा हो सकती थी।

जो बाइडन ने कहा, जिस दिन से मैंने पदभार संभाला है, मैंने यही कहा था कि मैं न्याय विभाग के निर्णय में हस्तक्षेप नहीं करूंगा और मैंने अपना वचन निभाया। मैंने यह भी देखा कि मेरे बेटे पर चुनिंदा और अनुचित तरीके से मुकदमा चलाया जा रहा है।

डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति ने पहले कहा था कि वह अपने बेटे को डेलावेयर और कैलिफोर्निया के दो मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद उसे माफ नहीं करेंगे या उसकी सजा कम नहीं करेंगे। यह कदम हंटर बाइडन को बंदूक मामले में अपने मुकदमे की सजा और कर आरोपों पर दोष की स्वीकारोक्ति के बाद सजा मिलने से पहले और राष्ट्रपति पद के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में लौटने से दो महीने से भी कम समय पहले आया है।

राष्ट्रपति ने कहा, अपराध में इस्तेमाल, किसी के नाम पर एक या कई हथियार खरीदने जैसे गंभीर कारकों के बिना किसी पर सिर्फ इस आधार पर गुंडागर्दी के आरोपों में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता कि उन्होंने बंदूक का फॉर्म कैसे भरा। जो लोग नशे की गंभीर लत के कारण अपने करों का भुगतान करने में देरी करते हैं, लेकिन बाद में ब्याज और दंड के साथ उन्हें वापस कर देते हैं, उन्हें आम तौर पर गैर–आपराधिक समाधान दिए जाते हैं। यह स्पष्ट है कि हंटर के साथ अलग व्यवहार किया गया।

यह राष्ट्रपति के बेटे के लिए लंबे समय से चल रही कानूनी प्रक्रिया का समापन है, जिन्होंने दिसंबर 2020 में सार्वजनिक रूप से खुलासा किया था कि वह संघीय जांच के दायरे में हैं।

17 जनवरी को रिलीज होगी फिल्म 'आजाद'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन कि फिल्म आजाद 17 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी। अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन और रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी 'आजाद' से अपना बॉलीवुड डेब्यू करेंगे। अब निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की तारीख का भी एलान कर दिया है। निर्माताओं ने फिल्म 'आजाद' का नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की।

फिल्म में अजय देवगन भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के पोस्टर में अजय देवगन नजर आ रहे हैं। साथ ही राशा थडानी और अमन देवगन भी नजर आए। पोस्टर जारी करते हुए निर्माताओं ने बताया कि यह फिल्म 17 जनवरी, 2025 को रिलीज होने वाली है।

अजय देवगन ने भी फिल्म आजाद का नया पोस्टर जारी किया। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 'इस कहानी का दिल एक योद्धा है, और धड़कन। आजाद, 17 जनवरी 2025 को बड़े पर्दे पर रोमांच का गवाह बनें।' अभिषेक कपूर निर्देशित फिल्म आजाद का निर्माण रोनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर ने किया है।

ट्रेलर लांच

अभिनेता रंजीत और गायिका पलक मुच्छल सोमवार को मुंबई में आगामी फिल्म 'वनवास' के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए।

राशि खन्ना ने काशी विश्वनाथ मंदिर में मनाया जन्मदिन

मुंबई/एजेन्सी

पैन–इंडिया स्टार राशि खन्ना ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के पवित्र शहर वाराणसी में स्थित प्रसिद्ध और पवित्र काशी विश्वनाथ मंदिर में अपना जन्मदिन मनाया। इस अवसर को शांतिपूर्ण और सार्थक तरीके से मनाने का चयन करते हुए, राशि ने इस पवित्र शहर की शांति के बीच अपना जन्मदिन मनाया, एक और वर्ष का स्वागत करते हुए कृतज्ञता और आशीर्वाद को प्रतिबिंबित किया। राशि ने सोशल मीडिया पर काशी विश्वनाथ मंदिर की अपनी यात्रा की झलकियां साझा कीं, जिससे प्रशंसकों को उनके विशेष दिन की झलक मिल सके। उसके कैप्शन में लिखा है, अपने जन्मदिन को दिव्यता में खोते हुए मना रही हूं, काशी के शाश्वत शहर में, जहां समय थम जाता है और आत्माएँ शांति पाती हैं! बहुत आभारी हूं हर हर महादेव उन्होंने मंदिर में शांति से अकेले में समय बिताते हुए और अपने परिवार के साथ पूजा करते हुए अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं। पेशेवर मोर्चे पर, राशि खन्ना अपनी हाल ही में रिलीज़ हुई 'द साबरमती रिपोर्ट' की सफलता का आनंद ले रही हैं, जिसमें उन्होंने एक निडर पत्रकार की भूमिका निभाई है। उनके सशक्त अभिनय को दर्शकों और आलोचकों द्वारा व्यापक रूप से सराहा गया है। इसके अलावा, राशि जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'तलाखों में एक' में दिखाई देंगी और उनके पास एक रोमांचक तेलुगु प्रोजेक्ट, 'तेलुसु कड़ा' भी है।

'वनवास' के ग्रैंड ट्रेलर लॉन्च में होंगे शामिल सनी देओल!

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो सनी देओल फिल्म वनवास के ग्रैंड ट्रेलर लॉन्च में शामिल हो सकते हैं। बॉलीवुड में चर्चा है कि सनी देओल दिग्गज फिल्मकार अनिल शर्मा की फिल्म वनवास के ग्रैंड ट्रेलर लॉन्च इवेंट में शिरकत करने वाले हैं। चर्चा है कि इस इवेंट में सनी देओल एक स्पेशल गेस्ट के रूप में मौजूद रहेंगे।अनिल शर्मा के साथ परिवार जैसे रिश्तों के कारण सनी देओल इस इवेंट में गेस्ट के तौर पर शिरकत करेंगे। वनवास का ट्रेलर 02 दिसंबर को मुंबई में लांच किया जायेगा। वनवास, ज़ी स्टूडियोज द्वारा समर्थित और अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित की गई है।जी स्टूडियोज और अनिल शर्मा गदर: एक प्रेम कथा और गदर 2 जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई थीं।

अब ये टीम अपनी तीसरी फिल्म वनवास के साथ दर्शकों को सरप्राइज़ करने के लिए तैयार है। अनिल शर्मा द्वारा लिखित, निर्मित और निर्देशित फिल्म वनवास 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में नाना पाटेकर, उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर लीड रोल्स में हैं।

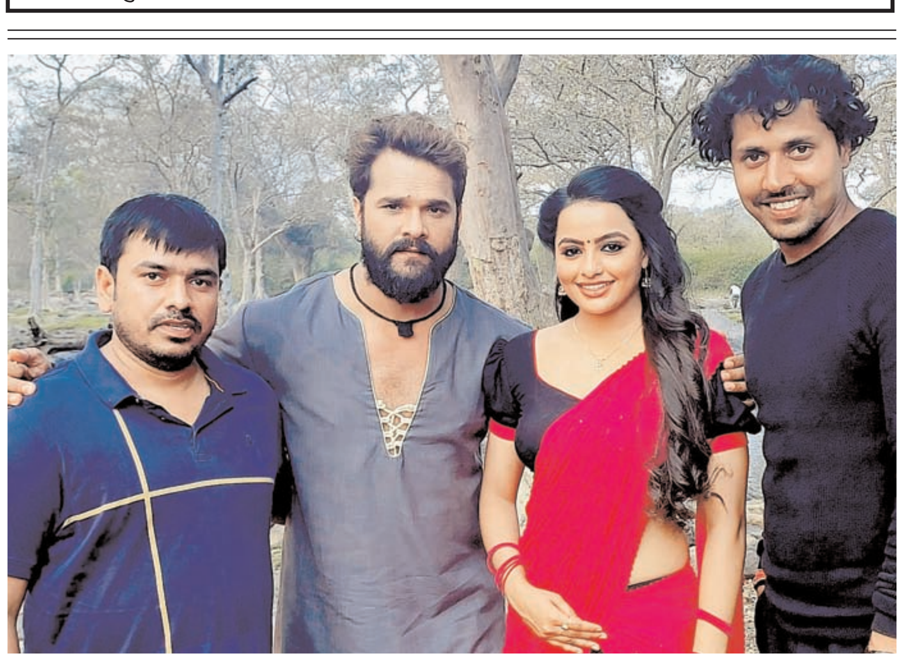

अगले वर्ष रिलीज होगी फिल्म 'डंस'

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव की फिल्म डंस 07 फरवरी 2025 को रिलीज होगी। भोजपुरी सिनेमा के हिट मशीन कहे जाने वाले स्टार खेसारी लाल यादव की भोजपुरी फिल्म 'डंस' का मोशन पोस्टर 03 दिसंबर को रिलीज होगा। वहीं, यह फिल्म 07 फरवरी 2025 को पूरे भारत में एक साथ प्रदर्शित होगी। यह एक हार्डकोर एक्शन के साथ – साथ जबरदस्त म्यूजिकल लव स्टोरी फिल्म है। इस फिल्म में दर्शकों को बेहतरीन एक्शन के साथ–साथ ओरिजनल स्टंट भी देखने को मिलेगा। खेसारी लाल यादव ने कहा, निर्माता–निर्देशक ने लीक से हटकर बहुत ही खूबसूरत और बेजोड़ फिल्म बनाई है। इस फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक जगह चंदौली में हुई है। यह उन ऐतिहासिक स्थलों में से एक है, जिसे हिन्दू, बौद्ध और जैन धर्मों के लोग अपने लिए पवित्र तीर्थस्थल के रूप में मानते आए हैं।

फिल्म 'डंस' का निर्देशन धीरज ठाकुर ने किया है। धीरज ठाकुर ने कहा,हमने फिल्म को बड़े भव्य तरीके से शूट किया है। भोजपुरी सिनेमा की यह अब तक की सबसे बड़े बजट की फिल्म है। इसमें हमने भोजपुरी सिनेमा के बड़े स्टार्स के अलावा चंदौली के स्थानीय कलाकारों को भी काम करने का मौका दिया है। फिल्म डंस में खेसारी लाल यादव के अलावा हिंदी सिनेमा के चर्चित कलाकार शाहवर अली , देव सिंह, समर्थ चतुर्वेदी,पप्पू यादव ,महेश आचार्य, विजया लक्ष्मी ,श्रद्धा नवल ,जे नीलम, प्रेम दुबे ,जे पी सिंह, गौरी शंकर ,प्रकास जैस , माही खान, चाहत, और आर्यन बाबू की प्रमुख भूमिकाएं हैं।

स्निप कॉर्पोरेशन के बैनर तले बन रही फिल्म डंस का निर्माण सुधीर सिंह ने किया है। निर्माता सुधीर सिंह इसके पहले 'दूल्हा मिलल दिलदार' सहित कई फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। फिल्म के छायाकार सरवनन नटराजन हैं।

खूबसूरत वादियों में स्नो बाइक चलाती नजर आईं निमरत कौर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री निमरत कौर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी एक रोमांचक वीडियो शेयर की, जिसमें वह आइस स्कूटर चलाती नजर आ रही हैं। 'एयरलिफ्ट' अभिनेत्री ने मजेदार वीडियो के साथ मजेदार कैप्शन भी दिया है। 'एयरलिफ्ट' अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरों और एक वीडियो को शेयर कर अपने प्रशंसकों को शानदार झलक दिखाई। अभिनेत्री ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, दिसंबर में जूम, जगह गेस करो, ठंडक का अहसास। वीडियो में निमरत खिलखिलाकर हंसती और स्नो बाइक चलाती नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में वह एक आइस बाइक पर बैठी हुई दिखाई दे रही हैं और बर्फ से ढके पहाड़ों के सामने खुश अंदाज में पोज दे रही हैं। इससे पहले उन्होंने फैंस के साथ शेयर किया कि वह नाश्ते में डोसा और इडली खा रही हैं।

42 वर्षीय अभिनेत्री की गिनती इंडस्ट्री की खूबसूरत और स्टाइलिश अभिनेत्रियों में की जाती है। निमरत कौर के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो वह पिछली बार 'सजनी शिंदे का वायरल वीडियो' में नजर आई थीं। फिल्म में उन्होंने बेला बरोट का किरदार निभाया था। मिखिल मुसले द्वारा निर्देशित रहस्य–थ्रिलर में निमरत के साथ राधिका मदान, भाग्यश्री और सुबोध भावे भी अहम रोल में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार निमरत को अक्षय कुमार स्टारर प्रोजेक्ट 'स्काई फोर्स' में नजर आएंगी। आने वाली फिल्म अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी द्वारा निर्देशित है और 24 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है, वहां आपका भी सम्मान बढेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

चेन्नई में चल रही है हाई लाइफ ब्राइड्स प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत के सबसे बड़े फैशन प्रदर्शनी ब्रांड हाई लाइफ की ओर से चेन्नई में आयोजित दो दिवसीय हाई लाइफ ब्राइड्स में 100 से अधिक शीर्ष ब्राइडल डिज़ाइनर और ज्वेलर्स इस सीज़न के नवीनतम ट्रेंड्स को पेश कर रहे हैं। प्रदर्शनी में ब्राइडल, डिज़ाइनर और एथनिक वियर, ज्वैलरी, लक्ज़री एक्सेसरीज़, लग्जरी लेबल और बहुत कुछ शामिल है। 2 और 3 दिसंबर को चेन्नई के अन्नासलाई स्थित हयात रीजेंसी में सुबह 10.30 बजे से रात्रि 8 बजे तक प्रदर्शनी देखी जा सकती है।

हाई लाइफ ब्राइड्स चेन्नई में दिल्ली, कोलकाता, बेंगलूरु, हैदराबाद, मुंबई, दुबई, जयपुर और इंदौर के सर्वाधिक वांछित डिजाइनरों और आभूषण ब्रांडों के नवीनतम डिजाइन और कपड़े उपलब्ध होंगे। हाई लाइफ एक्जीबिशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एबी डोमिनिक ने कहा, हम अपने डिजाइनरों और प्रदर्शकों का चयन दुल्हन के परिधानों और जातीय फैशन उत्पादों की सबसे विस्तृत और आधुनिकतम रेंज तैयार करने के लिए करते हैं, जिन्हें उच्चतम शिल्प कौशल के साथ तैयार किया गया है।

भारत की सबसे प्रसिद्ध फैशन और आभूषण प्रदर्शनी कंपनी, हाई लाइफ एक्जीबिशन, पांच कार्यक्षेत्रों का प्रबंधन करती है, जिसमें एक बी2बी व्यापार मंच, 3,000 से अधिक डिजाइनरों का समुदाय, एक वर्ष में 140 प्रदर्शनियां, भारत के 30 शहरों में उपस्थिति और वैश्विक गंतव्य जहां भारतीय प्रवासी मौजूद हैं।

एथलेटिक्स टूर्नामेन्ट में वैष्णव कॉलेज बना ओवरऑल विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 56 वीं एएल मुदलियार एथलेटिक्स टूर्नामेंट में डी जी वैष्णव कॉलेज ओवरआल विजेता बना। शारीरिक शिक्षा विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 26 से 28 नवम्बर तक नेहरु स्टेडियम में आयोजित 56 वीं ए एल मुदलियार एथलेटिक्स टूर्नामेंट में डी जी वैष्णव कॉलेज (स्वायत्तशासी) द्वारा इतिहास रचा गया। इस टूर्नामेंट में वैष्णव कॉलेज ने कुल 12 स्वर्ण पदक, 10 रजत पदक, और 6 कांस्य पदक के साथ 28 पदक जीतकर एक रिकार्ड कायम किया।

वैष्णव कॉलेज के प्राचार्य डॉ एस संतोष बाबू एवं सचिव डॉ अशोक कुमार मूँधड़ा तथा कोषाध्यक्ष अशोक केडिया ने नेहरू स्टेडियम में जाकर सभी विजेता खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया और बधाई दी।

सचिव अशोक कुमार ने कहा कि आने वाले दिनों में भी वैष्णव कॉलेज पढ़ाई के साथ साथ खेलों में भी नाम करने के लिए अथक परिश्रम हेतु प्रतिबद्ध है। शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. ई. वसंतकुमार (शिफ्ट2), डॉ. कार्तिकियन (शिफ्ट1) ने सभी को बधाई दी।

कला सन्ते प्रदर्शनी में उमड़े खरीददार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मान्या एवं एमवी हैंडीक्राफ्ट के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कला सन्ते में ग्राहकों की रेलमपेल है। तिरुवन्मियूर स्थित सीआरईसी कैंपस ग्राउंड में आयोजित प्रदर्शनी सह बिक्री में फ़ेंगल चक्रवर्ती तूफ़ान की भयावता के उपरांत भी ग्राहकों की जबरदस्त भीड़ रही। ज्ञातव्य है कि गत 29 नवंबर से शुरू हुए कला सन्ते प्रदर्शनी सह बिक्री में क्राफ्ट्स, टेक्सटाइल्स, होम डेकोर्स, ज्वेलरी, कारपेट, बैंगल्स, बनारसी साड़ियां, कॉटन की कुर्तियां एवं महिलाओं के रोजमर्रा के प्रयोग में आने वाली अनेक परिधानों की कई वैराइटीज उपलब्ध करवाई गई है।

संते के आयोजक महावीर छल्लानी ने बताया कि इस एक्सपो में देश के अनेक हिस्सों से हाथ से बनाए गए जूट के समान, सूती वस्त्र तथा अनेक घरेलू उपयोग हेतु वस्तुएं उपलब्ध है। महिलाओं के साथ ही पुरुषों के लिए भी शर्ट, जैकेट टी-शर्ट, पर्दे, कुशन आदि अनेक वस्तुएं उपलब्ध है उन्होंने बताया कि शादियों की सीजन में किफायती दामों पर वैरायटी के साथ गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को खरीदने के लिए लोग इस प्रदर्शनी सह बिक्री का दौरा कर सकते है। प्रदर्शनी सह बिक्री में 200 से अधिक स्टॉल्स पर राजस्थान, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, बिहार के कुशल कारीगरों द्वारा हथकरघा उत्पादों की अनेक वैरायटी उपलब्ध है।

'दि पॉवर ऑफ मंत्रा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के गांधीपार्क स्थित तेरापंथ भवन में आचार्यश्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनिश्री रश्मिकुमारजी और मुनिश्री प्रियांशुकुमारजी के सान्निध्य में 'दि पॉवर ऑफर मंत्रा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें संतों ने महामंत्र की महिमा विस्तार से बताई। कार्यक्रम में बच्चे, महिला और पुरुषों की अच्छी खासी संख्या थी।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महावीर जैन ग्रुप ने 100 पौधे लगाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सोमवार को पर्यावरण दिवस के अवसर पर महावीर जैन ग्रुप ने कोडुंगैयुर स्थित थिरुथंगल नाडार कॉलेज में 100 पौधे लगाये गए। इस आयोजन का प्रायोजक महावीरचंद राजकुमार दक्षेश झामड़ द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के शुरूवात मुख्य अतिथि राजकुमार, अनिता दक्षेश झामड़ और कॉलेज के प्राचार्य, उप-प्राचार्य, अन्य स्टाफ और महावीर जैन ग्रुप के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुई। इस पौधारोपण के दौरान पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर चर्चा की गई और यह संदेश दिया गया कि हर पौधा हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। महावीर जैन ग्रुप के अध्यक्ष निर्मला वसंत छल्लाणी ने बताया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना और हरियाली को बढ़ावा देना है। पौधारोपण के दौरान यह संदेश दिया गया कि प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के इस दौर में हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह पर्यावरण को संरक्षित करने में योगदान दे। कॉलेज के प्राचार्य ने महावीर जैन ग्रुप की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह कदम न केवल कॉलेज परिसर को हरा-भरा बनाएगा, बल्कि छात्रों और समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक भी करेगा।

उन्होंने भविष्य में ऐसे और भी कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

विशेष अदालत ने भाजपा नेता एच राजा को साधारण कारावास की सजा सुनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। चेन्नई की एक विशेष अदालत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एच. राजा को सोमवार को दो मामलों में दोषी ठहराया और सजा सुनायी। इनमें से एक मामला द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) सांसद कनिमोई के खिलाफ टिप्पणी और दूसरा कुछ साल पहले राज्य में पेरियार की मूर्तियां गिराने से संबंधित है।

सांसदों/विधायकों से संबंधित आपराधिक मामलों की सुनवायी करने वाली विशेष अदालत ने भाजपा के राष्ट्रीय सचिव राजा को दोनों मामलों में छह महीने के साधारण कारावास की सजा सुनायी और जुर्माना लगाया।

अदालत ने सजा 30 दिनों के लिए निलंबित कर दी, ताकि वह आदेश के खिलाफ अपील दायर कर सकें।

बाद में, राजा ने संवाददाताओं से कहा कि उनके अधिवक्ताओं की टीम इस मामले से कानूनी रूप से निपटेगी।

तर्कवादी नेता ई वी रामासामी 'पेरियार' की मूर्तियों को ढहाने संबंधी राजा की टिप्पणियों के बारे में, अदालत ने कहा, ''कानून के शासन द्वारा शासित समाज में इस तरह के कटु संदेशों को स्वीकार नहीं किया जा सकता।''

अदालत ने कहा कि हो सकता है कि एक विचारधारा किसी को स्वीकार्य नहीं हो, लेकिन इसका विरोध किसी अन्य विचारधारा द्वारा किया जाना चाहिए, न कि बल प्रदर्शन, उकसावे से।

सहायक सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश जी जयवेल ने कहा, ''इस अदालत को यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि सोशल मीडिया (राजा का) में पाया गया संदेश अत्यधिक निंदनीय है और यह प्रकृति में अत्यधिक भड़काऊ भी है और इसमें सांप्रदायिक सद्भाव और शांति को बिगाड़ने की पूरी क्षमता है और इससे हिंसा और दंगे भी हो सकते हैं।''

त्रिपुरा में कम्युनिस्ट नेता लेनिन की मूर्ति गिराये जाने के बाद, राजा ने कथित तौर पर तमिलनाडु में ई वी रामासामी की मूर्तियों को तोड़ने के बारे में 2018 में एक सोशल मीडिया पोस्ट डाली थी।

न्यायाधीश ने राजा को छह महीने के साधारण कारावास की सजा सुनायी और भाजपा नेता पर 3000 रुपये का जुर्माना लगाया।

इसी तरह, पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम करुणानिधि की बेटी कनिमोई के खिलाफ सोशल मीडिया पर राजा की टिप्पणियों से संबंधित दूसरे मामले में, अदालत ने राजा को दोषी पाया।

अदालत ने छह महीने के साधारण कारावास की सजा सुनायी और 3,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

दोनों मामलों में, राजा को आईपीसी की धारा 153 और 504 के तहत दोषी ठहराया गया था। इसके अलावा, उन्हें कनिमोई के बारे में उनकी टिप्पणी के लिए आईपीसी की धारा 509 के तहत दोषी पाया गया।

भाजपा ने विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को 'कारण बताओ' नोटिस दिया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय अनुशासन समिति ने विजयपुरा के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को प्रदेश पार्टी नेतृत्व के खिलाफ लगातार ''तीखी टिप्पणी'' करने को लेकर 'कारण बताओ' नोटिस दिया है और उनसे 10 दिन के भीतर जवाब देने को कहा है। कुछ ही दिन पहले ही यतनाल ने प्रदेश नेतृत्व की अनुमति के बगैर ही एक माह तक चलने वाला वक्फ विराधी मार्च शुरू किया।

नोटिस का जवाब देते हुए यतनाल ने कहा कि हिंदुत्व के लिए लड़ाई और 'वंशवादी राजनीति' के खिलाफ उनकी प्रतिबद्धता जारी रहेगी। केंद्रीय अनुशासन समिति के सदस्य सचिव ओम पाठक ने एक दिसंबर को भेजे अपने कारण बताओ' नोटिस में कहा, प्रदेश पार्टी नेतृत्व के खिलाफ आपके तीखे हमले, पार्टी के निर्देशों की अवहेलना और राजनीतिक तथा सार्वजनिक महत्व के सभी मामलों पर पार्टी के आधिकारिक रुख के विपरीत सार्वजनिक बयानबाजी तथा रुख अपनाने की खबरें मीडिया के साथ-साथ विभिन्न पार्टी मंचों पर भी सामने आई हैं। यह नोटिस मीडिया के साथ सोमवार को साझा किया गया है। पार्टी ने बताया कि अगर वह निर्धारित समय के भीतर जवाब नहीं दे पाते हैं तो वह इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय लेगी।

यतनाल पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा और उनके परिवार, खासकर भाजपा की कर्नाटक इकाई के प्रमुख विजयेंद्र येडीयुरप्पा के कड़े आलोचक माने जाते हैं। वह अक्सर उन पर निशाना साधते हैं और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से मांग करते रहते हैं कि कांग्रेस की परिवारवादी राजनीति के खिलाफ प्रभावी लड़ाई के लिए येडियुरप्पा की ''वंशवादी राजनीति'' पर लगाम लगाई जाए। पाठक ने कहा, यह 'गंभीर चिंता' की बात है कि अतीत में कई बार 'कारण बताओ' नोटिस जारी किए जाने और अच्छे आचरण के आपके आश्वासन के बावजूद अनुशासनहीनता बेरोकटोक जारी है। पार्टी में उनकी वरिष्ठता को ध्यान में रखते हुए पाठक ने कहा कि केंद्रीय अनुशासन समिति ने अतीत में उनके द्वारा दिए गए स्पष्टीकरणों पर नरम रुख अपनाया है।

उन्होंने कहा, ''आपने पार्टी नेताओं के खिलाफ झूठे और परोक्ष आरोप लगाये हैं। आपने राजनीतिक और सार्वजनिक महत्व के मामलों पर पार्टी के आधिकारिक रुख की अवहेलना की है जो भाजपा के पार्टी नियम का गंभीर उल्लंघन है।'' पाठक ने यतनाल से कहा, कृपया कारण बताएं कि पार्टी को क्यों नहीं आपके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी चाहिए? आपका स्पष्टीकरण इस नोटिस मिलने के दस दिन के भीतर पेश किया जाना चाहिए।

निर्धारित समय में स्पष्टीकरण नहीं मिलने की स्थिति में केंद्रीय अनुशासन समिति यह मान सकती है कि यतनाल के पास अपने जवाब में कहने को कुछ नहीं है और तब वह इस मामले में अंतिम निर्णय ले सकती है।

यतनाल ने विधायक रमेश जरकीहोली, अरविंद लिंबावली, महेश कुमाथल्ली, मधु बंगारप्पा सहित भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के साथ मिलकर बीदर से चमराजनगर तक वक्फ विरोधी मार्च निकाला है। यह मार्च 25 नवंबर को शुरू हुआ और 25 दिसंबर को समाप्त होगा।

इस मार्च को भाजपा में विजयेंद्र के विरोधी गुट के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। यतनाल ने कहा कि यह मार्च किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य किसानों, सनातन धर्म और हिंदुओं को राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा जारी बेदखली नोटिस से बचाना है। इस नोटिस पर प्रतिक्रिया देते हुए यतनाल ने कहा कि हिंदुत्व की लड़ाई और ''वंशवादी राजनीति'' के खिलाफ उनकी प्रतिबद्धता जारी रहेगी।

विजयपुर से विधायक ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''मैं भाजपा की अनुशासन समिति के अध्यक्ष द्वारा जारी नोटिस का जवाब दूंगा, साथ ही कर्नाटक में भाजपा की स्थिति स्थिति के बारे में तथ्य भी पेश करूंगा।'' उन्होंने कहा, हिंदुत्व की लड़ाई, भ्रष्टाचार का विरोध, वक्फ से जुड़े मुद्दे और वंशवाद की राजनीति के प्रति मेरी प्रतिबद्धता अटल रहेगी।

सड़क हादसे में तीन महिलाओं की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुर । कर्नाटक के तुमकुर शहर के पास सोमवार तड़के भीषण सड़क हादसा हुआ। हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई है। जबकि 10 से अधिक घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो यह सड़क हादसा तुमकुर के पास कल्लंबेला के नजदीक चोक्कनहल्ली पुल के पास बताया जा रहा है। यहां पर सुबह करीब 4 बजे एक निजी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें तीन महिलाओं की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त निजी बस गोवा से बेंगलूरु की तरफ जा रही थी। बस चालक द्वारा नियंत्रण खो देने से बस पलट गई। हादसे के वक्त यात्री सो रहे थे। तीन महिलाओं की मौत के अलावा 10 अधिक अन्य यात्री घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। बस पलटने के बाद लोग उसमें से निकलने का प्रयास करने लगे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.